दैनिक

राष्ट्रीय जनभावना

वर्ष-3, अंक-224
इन्दौर, बुधवार
13 नवम्बर 2024
पृष्ठ 8, मूल्य 2 रु.

RNI-MPHIN/2013/53761

इन्दौर प्रधान संपादकः सुनील वर्मा मो.: 9425491979, 7000877686, E-mail: janbhavna.ind@gmail.com

चाणक्य नीति

चाणक्य कहते हैं कि अधिक लाड़ प्यार करने से बच्चों में अनेक दोष उत्पन्न हो जाते हैं। इसलिए यदि वे कोई गलत काम करते हैं तो उसे नजरअंदाज करके लाड़-प्यार करना उचित नहीं है। बच्चे को डाँटना भी आवश्यक है। –चाणक्य

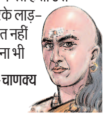

डिजिटल अरेस्ट या अन्य साइबर क्राइम की स्थिति में तत्काल पुलिस को सूचित करें: मुख्यमंत्री

भोपाल, राष्ट्रीय जनभावना। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि डिजिटल अरेस्ट या अन्य साइबर क्राइम की स्थिति में तत्काल पुलिस को सूचित किया जाए। उन्होंने कहा कि हमारी जागरूकता, साइबर जालसाजों का साहस के साथ सामना और पुलिस की त्वरित कार्रवाई से इन अपराधों से बचा जा सकता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा भी लोगों को इस दिशा में जागरूक करने के प्रयास किए जा रहे हैं। गत दिवस प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में डिजिटल अरेस्ट से बचाने के उपाय बताते हुए कहा था कि डिजिटल अरेस्ट से डरे नहीं, रूकें, सोचें तथा एक्शन लें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव राज्य साइबर पुलिस मुख्यालय में मीडिया को संवाद कर रहे थे। उल्लेखनीय है कि साइबर पुलिस द्वारा 9 नवम्बर को अरेरा कॉलोनी भोपाल निवासी व्यक्ति के डिजिटल अरेस्ट में त्वरित कार्रवाई कर लाईव रेड करते हुए उन्हें मुक्त कराकर करोड़ों रूपए के साइबर फ्राड से बचाने की कार्यवाही की गई थी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रदेश की साइबर पुलिस को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से राज्य साइबर पुलिस मुख्यालय पहुंचे थे। संभवतः डिजिटल अरेस्ट में लाईव रेड का देश-दुनिया का यह पहला ऐसा प्रकरण है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने साइबर पुलिस की दक्षता और त्वरित कार्यवाही की सराहना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पुलिस महानिदेशक श्री सुधीर सक्सेना, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्री योगेश देशमुख, डीआईजी साइबर सेल श्री युसुफ कुरैशी और त्वरित रूप से घटना स्थल पहुंचने वाले उप निरीक्षक साइबर श्री सचिन यादव की प्रशंसा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने साइबर अपराध में पुलिस टीम द्वारा दिखाई गई तत्परता की सराहना करते हुए इसे अनुकरणीय और प्रेरणादायक बताया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जनसामान्य प्रायः सीबीआई, ईडी आदि की कार्यवाही

से अनभिज्ञ रहता है और चालाक अपराधी ऐसे लोगों को अपने जाल में फंसा लेते हैं। मध्यप्रदेश पुलिस सूचना प्राप्त होते ही एक्शन में आयी और ठोस कार्रवाई करते हुए डिजिटल अरेस्ट के माध्यम से साइबर फ्रॉड के इस प्रकरण में देश-दुनिया के सामने यह उदाहरण प्रस्तुत किया कि डिजिटल अरेस्ट से डरने की जरूरत नहीं है। समय पर पुलिस को सूचना दी जाए और त्वरित कार्रवाई की जाए तो अपराध से बचा जा सकता है और ऐसे अपराधियों को पकड़ा भी जाया जा सकता है। पुलिस अधिकारियों-कर्मचारियों पर हमें गर्व है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पुलिस को सूचना देने वाले श्री राजीव ओबेराय से मोबाइल पर बातचीत भी की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में साइबर पुलिस को हाईटेक बनाने के लिए कार्य जारी है। प्रत्येक जिले में साइबर थाना आरंभ करने के साथ ही प्रदेश के प्रत्येक थाने में साइबर डेस्क स्थापित की जा रही है। साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 को भी अधिक प्रभावी बनाया जाएगा। प्रदेश में व्यापक स्तर पर साइबर जागरूकता अभियान चलाकर साइबर अपराध रोकथाम के उपायों की जानकारी जन-जन को दी जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि साइबर अपराध और शिकायतों में प्रतिवर्ष वृद्धि हो रही है। वर्ष 2019 में लगभग चार हजार शिकायतें प्राप्त हुई थीं, जबकि वर्ष 2024 में अब तक लगभग पांच लाख शिकायतें प्राप्त हो चुकी हैं। साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए पिछले पांच वर्षों में लगभग 259 प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से लगभग 24 हजार पुलिस अधिकारियों, न्यायिक अधिकारियों और लोक अभियोजन अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया। गत पांच वर्ष में साइबर जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से छात्र-छात्राओं सहित लगभग 31 लाख नागरिकों को जागरूक किया गया। साइबर पुलिस द्वारा बिजली बिल भुगतान व कस्टम ड्यूटी के नाम पर ठगी, पेंशन फ्रॉड, ऑनलाइन टेलीग्राम टॉस्क और डिजिटल अरेस्ट संबंधी एडवाइजरी नियमित रूप से जारी की जाती रही है। राज्य शासन को साइबर अपराधों से बचाव संबंधी जागरूकता के लिए राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कार भी प्राप्त हुए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अरेरा कॉलोनी में हुई डिजिटल अरेस्ट संबंधी घटना के बारे में बताया कि 9 नवम्बर को एक व्यक्ति के डिजिटल अरेस्ट की सूचना उनके परिचित श्री राजीव ओबेरॉय ने साइबर पुलिस को दी।

बांग्लादेशी घुसपैठ मामले में

ईडी की इंट्री, वोटिंग से पहले 17 ठिकानों पर मारे छापे

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र और झारखंड में विधानसभा चुनाव के अलावा कई राज्यों में उपचुनाव के लिए प्रचार बहुत तेजी से चल रहा है। राजनैतिक दल अपने अपने तरीके चुनाव लड़ रहे हैं। बांग्लादेशी घुसपैठियों को लेकर भी एक दूसरे को घेर रहे हैं। इसी बीच इस मामले में ईडी की भी इंट्री हो गई है।

भारत में घुसपैठ कराने के मामले में अब प्रवर्तन निदेशालय ने भी जांच शुरू कर दी है। एजेंसी ने मनी लॉन्ड्रिंग के ऐंगल से जांच के लिए इस मामले में 17 ठिकानों पर छापे मारे हैं। ये छापे झारखंड और पश्चिम बंगाल में मारे गए हैं। सूत्रों का कहना है कि ईडी को इस मामले में मनी लॉन्ड्रिंग की भी जानकारी मिली है और इसी ऐंगल से उसने जांच को आगे बढ़ाया है। ईडी ने इस मामले में सितंबर में केस दर्ज किया था। उसने अवैध घुसपैठ और मानव तस्करी के मामलों में मनी लॉन्ड्रिंग का भी ऐंगल सामने आने के बाद जांच शुरू की थी। सांसद निशिकांत दुबे तो इस मामले को पूरी आक्रामकता से उठाते रहे हैं। इसके बाद पीएम नरेंद्र मोदी, अमित शाह, हिमंत बिस्वा सरमा और शिवराज सिंह चौहान जैसे नेताओं ने भी इस मामले को उठाया है। झारखंड में पहले राउंड का मतदान 13 नवंबर को होने वाला है, जबकि 20 नवंबर को दूसरे राउंड की वोटिंग है। ऐसे में वोटिंग से ठीक पहले रेड के अपने मायने हैं। पहले राउंड में 43 सीटों पर वोटिंग है, जबकि दूसरे चरण में 38 सीटों पर मतदान होना है। ईडी ने यह केस रांची पुलिस की ओर से जून में दर्ज की एफआईआर के आधार पर फाइल किया है। बता दें कि 8 नवंबर को ही 6 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया था, जो त्रिपुरा से मुंबई जा रहे थे। यह जानकारी मिली थी कि बड़ी संख्या में बांग्लादेशी महिलाओं को झारखंड में भेजा गया है और इसके पीछे पैसों का भी लेनदेन है।

पीएम नरेंद्र मोदी और भाजपा के अन्य नेताओं का कहना है कि राज्य सरकार का इसमें हाथ है और वह ऐसी घुसपैठ को बढ़ावा दे रही है। ऐसी घुसपैठ इसलिए कराई जा रही है ताकि झारखंड की जनसांख्यिकी में बदलाव कर दिया जाए और उसका फायदा चुनाव में उठाया जा सके। भाजपा ने चुनाव प्रचार में भी यह मुद्दा उठाया है और कहा कि संथाल परगना एवं कोल्हन क्षेत्र में यह घुसपैठ ज्यादा कराई जा रही है।

पुष्कर में रंग-बिरंगे पशुओं से सजा मेला, विदेशी भी पहुंचे। छाया संदीप धांडे

देहरादून में कंटेनर और कार भिड़ंत में 6 की मौत

देहरादून, (एजेंसी)। उत्तराखंड के देहरादून में सोमवार और मंगलवार की मध्य रात्रि में एक कंटेनर और कार की भिड़ंत हो गई,जिसमें कार सवार तीन युवक और तीन युवतियों सहित कुल छह लोगों की मौत हो गई। हादसे के बाद पहुंची पुलिस ने कार में फंसे शवों को बहुत मुश्किल से बाहर निकाला। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अजय सिंह ने मंगलवार को बताया कि आज करीब 01.33 बजे महानगर में ओएनजीसी चौक के पास वाहन दुर्घटना की सूचना थाना कैंट को मिली। तुरंत ही मौके पर पहुंचे पुलिस बल को एक कंटेनर व एक इनोवा गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त मिली। उन्होंने बताया कि

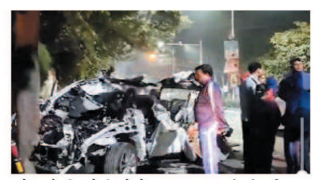

कंटेनर के पिछले हिस्से में यह कार टकराई हुई, पूरी तरह से क्षतिग्रस्त मिली। जिसमें कुल 07 लोग सवार थे, जिनमें से 6 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

आजम खान के बेटे अब्दुल्ला से जेल में मिले चंद्रशेखर

हरदोई (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में उपचुनाव में आजम खान परिवार की भी एंट्री हो गई है। आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद सोमवार को आजम खान के बेटे अब्दुल्ला से जेल में मुलाकात की। इस मौके पर चंद्रशेखर के साथ युसूफ मलिक, मनीष कुमार और जावेद खान मौजूद रहे। इस अवसर पर चंद्रशेखर ने कहा, अब्दुल्ला आजम से मैंने छोटे भाई की हैसियत से मुलाकात की है। मैंने सोचा था वो जेल में होंगे, तो परेशान होंगे, लेकिन उन्होंने जिस ताजगी के साथ मुलाकात की, उससे पता लगता है कि वो बहादुर इंसान हैं। मैं मीडिया के माध्यम से कहना चाहता हूं सड़क से संसद तक इस लड़ाई को लड़ेंगे परिवार को अकेले नहीं छोड़ेंगे।

राहुल की बढ़ेगी मुश्किले – वजह उन्होंने कहा था एससी

एसटी और ओबीसी को नहीं मिल रही नौकरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा ने चुनाव आयोग में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है।

बीजेपी ने महाराष्ट्र में चुनावी सभा के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर जनसभा में झूठ बोलने और बीजेपी पर बेबुनियाद आरोप लगाकर बदनाम करने की शिकायत चुनाव आयोग से की है। बीजेपी ने आरोप लगाया कि चुनावी रैलियों में राहुल गांधी बीजेपी पर बेबुनियाद आरोप लगाते रहे हैं। राहुल गांधी ने चुनावी सभाओं में बीजेपी पर नौकरियों में एससी, एसटी के लोगों को आरक्षण न दिए जाने का आरोप लगाया था। राहुल गांधी ने आपके बयान में कहा था कि तमाम उद्योगों और नौकरियों में देखें तो वहां पर एससी- एसटी समुदाय के लोग नजर नहीं आते, अल्पसंख्यक समुदाय के लोग नजर नहीं आते और गरीब तबके से आने वाले लोगों को भी जगह नहीं मिलती। बीजेपी ने अपनी शिकायत में राहुल गांधी के उस बयान का भी ज़िक्र किया जिसमें राहुल गांधी ने कहा था कि अगर आपको कहीं नौकरी पानी है तो आरएसएस की मेंबरशिप ले लीजिए तो आपको कहीं पर भी नौकरी मिल जाएगी।

शाहरुख खान को धमकी देने वाला गिरफ्तार

रायपुर (एजेंसी)। शाहरुख खान को धमकी देने के मामले में मुंबई पुलिस ने आरोपी फैजान खान को पंडरी इलाके से गिरफ्तार किया है। फैजान खान पर 5 नवंबर को बांद्रा पुलिस को कॉल कर शाहरुख खान से 50 लाख की फिरौती मांगने का आरोप है। फिरौती नहीं देने पर जान से मारने की धमकी दी गई थी। पुलिस फैजान को मुंबई पुलिस थोड़ी देर में कोर्ट में पेश करेगी। फैजान की भाभी सना खान ने कहा कि अचानक जानकारी मिली कि फैजान को पुलिस पंडरी थाना लेकर पहुंची है। फैजान कोई चोर नहीं, प्रोफेशनल वकील है। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से सभी बातों को सामने रखा था।

क्या मोदी और अमित शाह का बैग चेक होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे जब सोमवार को चुनाव प्रचार के लिए यवतमाल के वनी एयरपोर्ट पहुंचे थे, तो चुनाव आयोग ने उनकी बैग की तलाशी ली थी। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुआ। बैक चेक किए जाने के मामले पर उद्धव ठाकरे ने नाराजगी भी जाहिर की। उन्होंने खुद इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया।

उन्होंने वीडियो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा,मेरा बैग चेक कर लीजिए। चाहे तो मेरा यूरिन पॉट भी चेक कर लीजिए, लेकिन अब मुझे मोदी के बैग चेक करते हुए भी आप लोगों का वीडियो चाहिए। वहां आप अपनी पूंछ मत झुका देना। आपको जो खोल कर देखना है देख लीजिए। यह वीडियो मैं रिलीज कर रहा हूं। इसके बाद मैं आप लोगों को खोलूंगा। इस घटना पर राजनीतिक बयानबाजी भी खूब हो रही है। आप सांसद संजय सिंह ने कहा, महाराष्ट्र के अंदर किसी की हिम्मत नहीं होती थी कि बाला साहेब ठाकरे की पार्टी के साथ कोई दुर्व्यव्हार कर सके, आज उस पार्टी के अगुआ उद्धव ठाकरे के साथ जिस तरह की बदसलूकी की गई, इसका सबक महाराष्ट्र की जनता सिखाएगी। बता दें कि महाराष्ट्र में 20 नवंबर को विधानसभा चुनाव होना है। 288 विधानसभा सीटों पर चुनाव होने वाला है।

अमेरिका में तीन घरों में संदिग्ध हमलावर और चार अन्य लोग मृत पाए गए-पुलिस

वाशिंगटन (एजेंसी)। पुलिस ने बताया कि उस इलाके में जांच कर रहे अधिकारियों ने तीसरे घर की खिड़की से झांककर देखा तो वहां पांचवां व्यक्ति भी मृत पाया गया। सुलिवन ने पत्रकारों से कहा, ''पांच लोगों की गोली लगने से मौत हो गई है।'' अमेरिका में कंसास राज्य के विचिटा शहर में एक ही इलाके में स्थित तीन घरों में पांच लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस का मानना है कि गोलीबारी के ये मामले एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। पुलिस प्रमुख जो सुलिवन ने कहा कि रविवार को मृत पाए गए।

मणिपुर में गोलीबारी में 11 आतंकवादियों की मौत

इम्फाल (एजेंसी)। मणिपुर के जिरीबाम जिले में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में ग्यारह संदिग्ध आतंकवादियों के मारे जाने के एक दिन बाद मंगलवार (12 नवंबर, 2024) सुबह स्थिति शांत लेकिन तनावपूर्ण रही और पुलिसकर्मी संवेदनशील स्थानों पर गश्त कर रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि जिला प्रशासन ने इलाके में किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए निषेधाज्ञा लागू कर दी है, जबकि लापता लोगों का पता लगाने के लिए अभियान शुरू किया गया है। मणिपुर ने 11 आतंकवादियों के मारे जाने और मुठभेड़ में सीआरपीएफ के दो जवानों के घायल होने के बाद जिरीबाम में कर्फ्यू लगा दिया। समाचार एजेंसी ने बताया कि मणिपुर के जिरीबाम में जिला प्रशासन ने सोमवार को कर्फ्यू लगा दिया, क्योंकि कुकी-जो संगठनों ने 11 संदिग्ध आतंकवादियों की मुठभेड़ के विरोध में पहाड़ी इलाकों में पूर्ण बंद का आह्वान किया था।

संपादकीय

छोटे कारोबारियों एवं मध्यम वर्ग की आवाज बने, राहुल गांधी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक लेख लिखा है, जो कई समाचार पत्रों में प्रकाशित हुआ है। महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक लाभ सभी वर्गों तक पहुंचे। जिस तरह से कॉरपोरेट जगत का एकाधिकार सभी क्षेत्रों में बढ़ता जा रहा है। उसके कारण स्थानीय रोजगार, छोटे-छोटे कारोबारियों तथा लघु उत्पादन के क्षेत्र में कार्यरत छोटी एवं मध्यम इकाइयों को वर्तमान समय में जिस चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। लेख में उन्होंने अपनी सोच प्रदर्शित की है। व्यापारिक क्षेत्र में बढ़ती असमानता की समस्या, छोटे व्यापारियों को मिल रही गंभीर चुनौतियों ने मध्यम वर्ग के अस्तित्व पर प्रश्नचिन्ह लगा दिया है। आर्थिक उदारीकरण के बाद से, बड़े कॉरपोरेट्स ने अपनी जड़ें भारत में गहरी कर ली हैं। जिसके कारण छोटे और मंझले व्यापारियों के लिए बाजार में टिके रहना मुश्किल होता जा रहा है। पिछले एक दशक में लाखों छोटे कारोबारियों ने अपना काम बंद कर दिया है। स्थानीय रोजगार बड़ी तेजी के साथ कम होता जा रहा है। पिछले दो दशक में गांव-गांव में ब्रांडेड पैक्ड फूड बिकने लगा है। अब पानी भी गांव-गांव में बिक रहा है। ऑनलाइन ब्रांडेड सामान अब गांव-गांव तक पहुंच रहा है। यह स्थिति छोटे व्यापारियों एवं स्थानीय उत्पादनकर्ताओं के हितों को बुरी तरह से प्रभावित कर रही है। उनके समक्ष प्रतिस्पर्धा में बने रहना मुश्किल हो गया है। दुग्ध उत्पादक, होटल व्यवसाय, छोटे-छोटे कारोबारी जो स्थानीय स्तर पर अपने उत्पाद तैयार करते थे, वह सब धीरे-धीरे बेरोजगार होते जा रहे हैं। बाजारबाद के चलते बड़े-बड़े कॉरपोरेट ने स्थानीय बाजारों में अपना कब्जा जमा लिया है। शहरों की बीमारियां अब गांव-गांव तक पहुंचने लगी हैं। कारोबार पर कॉर्पोरेट का एकाधिकार होता चला जा रहा है। इस बदलती हुई परिस्थितियों में लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने लेख के माध्यम से अर्थव्यवस्था और भारतीय जीवन शैली को अर्थव्यवस्था के आधार के साथ-साथ रोजगार और महंगाई इत्यादि से जोड़कर उन्होंने समग्र चिंतन रखा है। राहुल गांधी छोटे एवं मध्यम स्तर के कारोबारियों एवं उद्योगों के लिए एक समान अवसर की मांग कर रहे हैं। ताकि स्थानीय स्तर पर कमजोर और मध्यम वर्ग अपनी योग्यता और परिश्रम के बल पर आगे बढ़ सकें। वर्तमान में बड़े व्यवसायिक घराने और कॉरपोरेट्स को विशेष सुविधाएं, कर रियायतें और अन्य लाभ सरकार द्वारा दिए जा रहे हैं। इसके विपरीत, छोटे एवं मध्यम वर्ग के कारोबारियों को प्रशासनिक कठिनाइयों और कानून की जटिलताओं का सामना करना पड़ रहा है। उनके पास सीमित संसाधन होते हैं। यह असमानता उनके विकास और आर्थिक आधार के अवसरों को सीमित कर रही है। इसके अलावा, डिजिटल व्यापार और ई-कॉमर्स के बढ़ते प्रभाव ने भी छोटे व्यापारियों की कठिनाइयों को बढ़ा दिया है। बड़े ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स ग्राहकों को अत्याधिक रियायतें और सुविधाएं प्रदान कर रहे हैं। रियायत देकर वह पहिले सस्ते में सामान बेचते हैं। करोड़ों रुपए का घाटा उठाते हैं, जब मार्केट में एकाधिकार हो जाता है। उसके बाद कीमतें बढ़ाकर आम आदमी का शोषण करते हैं। बड़े कारपोरेट की इस चुनौती का सामना परंपरागत कारोबारियों को नुकसान के रूप में हो रहा है।

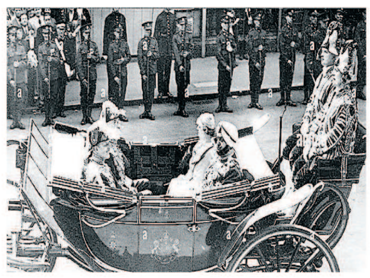

ये अंग्रेज़ परस्त राजघराने

आजका हमारा स्वाधीन एकीकृत भारत स्वतंत्रता पूर्व लगभग 565 राजघरानों अथवा रियासतों का देश हुआ करता था। इनमें विभिन्न धर्मों व जातियों के अनेक भारतीय राजा -महाराजा - नवाब आदि अपनी अलग अलग रियासतों में राज किया करते थे। इनमें से कई राजघराने ऐसे थे जिन्होंने अपनी रियासत को मुग़लों,आक्रांताओं या अंग्रेज़ों की मातहती से बचाने के लिये उनसे संघर्ष किया। जबकि अधिकांश रियासतों के प्रमुख ऐसे थे जिन्होंने या तो भयवश या लालच में आकर या फिर मौक़ा परस्ती के चलते या तो अँग्रेज़ी हुकूमत के आगे घुटने टेक दिए। बताया जाता है कि ईस्ट इण्डिया कंपनी के माध्यम से जब धीरे धीरे अंग्रेज़ों ने भारत में अपनी घुसपैठ शुरू की उस समय वे अपने साथ लाखों की फ़ौज लेकर नहीं आये। बल्कि उन्होंने अपने सहयोगी के रूप में भारत के ही उन्हीं रियासत प्रमुखों यानी राजा महाराजाओं का इस्तेमाल किया। इसके अलावा चूँकि पराधीन भारत में रोज़गार की भी भारी कमी थी इसलिये पुलिस से लेकर सेना तक में अधिकांशतः भारतीयों की ही भर्ती की गयी। इस तरह देश में ब्रिटिश काल में जहाँ भी आज़ादी के मतवालों या अन्य भारतीय नागरिकों पर ज़ुल्म ढाया जाता था या उन्हें अपमानित किया जाता था या उनकी हत्यायें की जाती थीं अथवा फांसी पर चढ़ाया जाता था तो इसके आदेश भले ही अंग्रेज़ अधिकारी देता था परन्तु ज़ुल्म व अत्याचार की घटना को अंजाम देने में अंग्रेज़ों का मातहत भारतीय ही अगुआकार की भूमिका निभाता था। इसी तरह अंग्रेज़ों के पिट्ठू व उनके रहम-ो-करम पर अपनी रियासत चलने वाले तमाम रजवाड़े भी अंग्रेज़ों की ख़ुशामद करने व उनके इशारे पर भारतीयों पर ज़ुल्म करने में पेश पेश रहा करते थे। ठीक इसके विपरीत इन्हीं 565 राजघरानों में कुछ ऐसे राजा -महाराजा भी थे जिन्होंने अपने व देश के स्वाभिमान से समझौता न करते हुये अंग्रेज़ों के सामने अपने घुटने नहीं टेके। हालांकि ऐसे कुछ राजघरानों को उसकी क़ीमत भी चुकानी पड़ी। निःसंदेह देश ऐसे बलिदानी राजघरानों के समक्ष आज भी नतमस्तक है तथा उनका नाम इतिहास में सुनहरे अक्षरों में दर्ज है। ऐसी ही एक शहीद वीरांगना का नाम था झाँसी की रानी अथवा रानी लक्ष्मीबाई। रानी लक्ष्मीबाई ने 29 वर्ष की उम्र में 1857 की क्रान्ति में अंग्रेज़ साम्राज्य की सेना से युद्ध किया और रणभूमि में वीरगति को प्राप्त हुईं। बताया जाता है कि युद्ध के दौरान उनके सिर पर तलवार लगने के कारण वह शहीद हुईं। परन्तु आश्चर्य की बात तो यह है कि ब्रिटिश काल में जो राजघराने अंग्रेज़ों की ख़ुशामद परस्ती में लगे रहते थे उन्हीं में अनेक राजघराने स्वतंत्रता के बाद भी यहाँ तक कि आज़ाद भारत में राज शाही की व्यवस्था समाप्त हो जाने के बावजूद आजतक न केवल सत्ता के केंद्र में बने रहने में सफल रहे हैं बल्कि काफ़ी हद तक अपना शाही रहन सहन व वैभव बरक़रार रखने में भी कामयाब रहे हैं। और इससे भी बड़े आश्चर्य की बात तो यह है कि आज भी ऐसे राजघरानों के अंतर्गत रहने वाली जनता स्वयं को आज़ाद भारतीय नहीं बल्कि राजा की रियाया समझती है। मैंने स्वयं ऐसे अनेक राजघराने देखे हैं जहाँ के लोग अपने राजा या राजकुमार को देवता तुल्य समझते हैं। रानी लक्ष्मीबाई से जुड़े कई ऐसे क़िस्से हैं जिनसे पता चलता है कि जब वह अपने मासूम बच्चे को अपनी पीठ पर बाँध कर अंग्रेज़ों के ख़िलाफ़ युद्धरत थीं उसी समय ग्वालियर का सिंधिया राजघराना उन्हीं अंग्रेज़ों की ख़ुशामद परस्ती में व्यस्त था। कुछ इतिहासकार तो यहाँ तक लिखते हैं कि 1857 के विद्रोह में जहाँ तात्या टोपे व नाना साहब के साथ झांसी की सेना के कई वीर सैनिकों ने अंग्रेज़ों से लोहा लिया वहीँ उसी दौर के ग्वालियर के महाराजा जयाजीराव सिंधिया पर यह आरोप लगता रहा है कि उन्होंने उस समय रानी लक्ष्मीबाई की बजाय अंग्रेज़ों का साथ दिया। प्रसिद्ध कवित्री सुभद्रा कुमारी चौहानने झांसी की रानी पर लिखी अमर कविता में लिखा भी था कि - अंग्रेज़ों के मित्र सिंधिया ने छोड़ी राजधानी थी। बुंदेले हरबोलों के मुंह हमने सुनी कहानी थी।। खूब लड़ी मर्दानी वह तो झांसी वाली रानी थी।÷ सिंधिया परिवार पर अंग्रेज़ों का पिट्ठू होने का लेबल सिंधिया घराने के कांग्रेस के क़रीब होने के समय भाजपा के नेता लगाया करते थे जबकि अब ज्योतिरादित्य सिंधिया के भाजपा में शामिल होने पर यही इलज़ाम कांग्रेस या अन्य भाजपा विरोधी दलों की तरफ़ से लगाया जा रहा है। हालाँकि ज्योतिरादित्य सिंधिया अपने परिवार पर अंग्रेज़ों का पिट्ठू होने के आरोप का खंडन करते रहे हैं। परन्तु सच तो यह है कि बिना आग लगे धुंआ नहीं उठता। गत वर्ष 1857 की क्रांति पर आधारित व इतिहासकार तेजिंदर वालिया द्वारा लिखित व संकलित एक पुस्तक अम्बाला की दास्तां 1857 की प्रस्तावना लिखने का मौक़ा मिला। उस पुस्तक में उल्लिखित कई दस्तावेज़ों में चौंकाने वाली हक़ीक़त सामने आई। ऐसे ही कुछ दस्तावेज़ों से पता चला कि जब ब्रिटिश अधिकारी पंजाब के इलाक़े में भारतीयों पर अत्याचार कर दिल्ली की तरफ़ कूच करते थे और उन्हें इसबात का डर सताता था कि कहीं रास्ते में आम जनता उन पर हमला न कर दे या कहीं सेना विद्रोह न कर दे तो ऐसे में वे अंग्रेज़ अधिकारी पटियला व जींद जैसे राजघरानों से अपनी सुरक्षा संबंधी सहायता लिया करते थे। इस सहायता में कभी पटियाला व जींद के महाराजा अपनी सेना व घुड़सवार भेजते तो ज़रूरत पड़ने पर कभी खुद भी हाज़िर हो जाते। कितना आश्चर्य होता है कि इस तरह के दर्जनों राजघराने जो कल सत्ता सुख की ख़ातिर अंग्रेज़ परस्ती में जीते थे वे आज भी सत्ता की राजनीति करने में वैसे ही माहिर हैं। और हमारे देश की भोली भाली जनता इन अंग्रेज़ परस्त राजघरानों को तब भी सम्मान देती थी जब वे अंग्रेज़ों से राय बहादुर जैसी पदवियाँ व रियासत के विस्तार हेतु अधिक से अधिक इलाक़े हासिल करते थे और आज भी उन्हें वैसा ही सम्मान देती है जब वे स्वतंत्र भारत में चुनाव लड़ते हैं या जीतने के बाद मंत्रिमंडल में शोभायमान होकर देश के उज्जवल भविष्य की योजनाएं बनाते हैं। दरअसल अंग्रेज़ों के ऐसे ख़ुशामद परस्तों को उस समय और भी बल मिल जाता है जब उन्हें अंग्रेज़ परस्ती की विचारधारा रखने वाले राजनैतिक दलों का साथ मिल जाता है।

संपर्क— 9896219228
तनवीर जाफ़री

अप्रासंगिक होते ड्राइंग रूम

त्यौहार पर संदेशे तो बहुत आ रहे हैं, लेकिन मेहमान कोई नहीं आया। ड्राइंग रूम का सोफा मेहमानों को तरस रहा है । वाट्सएप और फेसबुक पर मैसेज खोलते, स्क्रॉल करते और फिर जवाब के लिए टाइप करते - करते हाथ की अंगुलियां दर्द दे रही है। संदेश आते जा रहे हैं,बधाईयों का तांता है, लेकिन मेहमान नदारद हैं ।

कालबेल चुप है। मम्मी पापा अगर साथ रहते हैं तो भी कुछ ठीक है अन्यथा केवल घरवाली और बेटा या बेटी। पहले की तरह यदि आपने आने वाले मेहमानों के लिये बहुत सारा नाश्ता बना रखा है तो वह रखा ही रह जाता है।

सगे संबंधियों, दोस्तों की तो छोड़ दें, आज के समय आसपास के खास सगे-संबंधी और पड़ोसी के यहां मिलने - जुलने का प्रचलन भी समाप्त हो गया है।

अमीर रिश्तेदार और अमीर दोस्त मिठाई या गिफ्ट तो भिजवाते हैं, लेकिन घर पर देने खुद नहीं आते बल्कि उनके यहां काम करने वाले कर्मचारी आते हैं । दरअसल घर अब घर नहीं रहे हैं, ऑफिस की तरह हो गए हैं । घर सिर्फ रात्रि में एक सोने के स्थान रह गए हैं, रिटायरिंग रूम !

आराम करिए, फ्रेश होईये और सुबह कोल्हू के बैल बनकर काम पर निकल जाईये । ड्राइंगरूम अब सिर्फ दिखावे के लिये बनाए जाते हैं, मेहमानों के अपनेपन के लिए नहीं । घर का समाज से कोई संबंध नहीं बचा है । मेट्रो युग में समाज और घर के बीच तार शायद टूट चुके हैं । घर अब सिर्फ और सिर्फ बंगला हो गया है।शुभ मांगलिक कार्य और शादी-ब्याह अब मैरिज हाल में होते हैं।बर्थ-डे मैकडोनाल्ड या पिज़्ज़ा हट में मनाया जाता है। बीमारी में सिर्फ हास्पिटल या नर्सिंग होम में ही खैरियत पूछी जाती है । और अंतिम यात्रा के लिए भी लोग सीधे श्मशान घाट पहुँच जाते हैं। सच तो ये है कि जब से डेबिट-क्रेडिट कार्ड और एटीएम आ गये हैं, तब से मेहमान क्या.. चोर भी घर नहीं आते हैं । चोर भी आज सोचते हैं कि, मैं ले भी क्या जाऊंगा.. फ्रिज, सोफा, पलंग, लैपटॉप, टीवी कितने में बेचूंगा इन्हें ? री सेल तो ओएलएक्स ने चौपट कर दी है ।

वैसे भी अब नगद तो एटीएम में है इसीलिए घर पर होम डिलेवरी देनेवाला भी पिज़्ज़ा-बर्गर के साथ कार्ड स्वाइप मशीन भी लाता है ।

क्या अब घर के नक़्शे से ड्राइंग रूम का कंसेप्ट ही खत्म कर देना चाहिये ? विचार करियेगा पुराने समय की तरह ही अपने रिश्तेदारों, दोस्तों को घर पर बुलाईए और स्वयं भी उनके यहां जाइयेगा।आईये भारत की इस महती संस्कृति को पुनः जीवित करे।

(विवेक रंजन श्रीवास्तव-विनायक फीचर्स)

कहानी

मुझे चैन से मरने दो

मैं आज सुबह-सुबह अपने घर के छत पर टहल रह था,तभी देखा उसरी नदी में बाढ़ आ गई है। बरसात का दिन था,नदी के उस ओर कुछ विद्यार्थी विद्यालय जाना छोड़ स्नान का आनंद लेने के लिए आए थे।मुझे अपना विद्यार्थी जीवन याद आ गई थी। नदी स्नान का आनंद इसी तरह लिया करते थे। बच्चे स्नान कर रहे थे,आनंद ले रहे थे।तभी अचानक बच्चे बचाओ-बचाओ चिल्लाने लगे।मैं हड़बड़ा गया,मुझे लगा कोई स्नान करते हुए बह गया है।तुरन्त नदी की तरफ लपका।पत्नी चिल्लाई,अजी!कहाँ जा रहे हैं जी? मैं भागते हुए बोला, नदी में कोई बच्चा बह गया है, उसे बचाने जा रहा हूँ।अरे!आप डायबिटीज के मरीज हैं,अभी नाश्ता भी नहीं किए हैं और चले बच्चा बचाने, कुछ सुनते क्यों नहीं जी?अरी! भगवान,तुम हमेशा मुझे रोकती-टोकती रहती हो।अभी किसी की जान बचाने की बात है,मुझे जाने दो....इतना बोलते-बोलते मैं निकल गया।बाहर नदी किनारे भीड़ इक्कठी हो गई थी,सभी चिल्ला रहे थे पर नदी में कूद उस बच्चे को बचाने की कोशिश कोई नहीं कर रहा था।मैंने गमछा अपने सिर पर बाँधा और छपाक से नदी में कूद गया,बच्चे को बचाने के लिए।मैं तेजी से तैरने लगा और जल्द ही बच्चे के नज़दीक पहुँच गया।पहले अपने सिर पर बाँधे गमछे को उसे पकड़ने के लिए दिया,बोला, बेटा परेशान मत हो,मैं आ गया हूँ तुझे कुछ न होने दूँगा तुम देश के भविष्य हो,डरना मत।पर बच्चा हताश हो गया था बहुत पानी पी चुका था।मैं उसके नजदीक जा उसे अपने पीठ पर ले लिया और तैरते हुए किनारे की तरफ जाने लगा।बच्चा डरा हुआ था उसने जोर से मेरी गर्दन को पकड़ कर खुद को बचाने लगा।किनारा दूर होने की वजह से तथा अधिक तैरने की वजह से मैं बहुत थक चुका था।आगे रेलवे पुल के पास लोगों ने हम दोनों को निकाला।बच्चा बच गया था और मैं लाश बन चुका था। आँगन में मेरी लाश रखी गई।पत्नी रो-रोकर कह रही थी,अगर आप मेरी बात मान लिए होते तो आज मैं विधवा नहीं होती।हे!भगवान आपने मेरे साथ यह क्या किया? पत्नी की चीत्कार सुनकर मुझसे मरा नहीं जा रहा था।मैं कुछ देर के लिए उठा और कहा,अरी भाग्यवान कम-से-कम अब तो मुझे चैन से मरने दो।मैंने किसी की जान बचाकर खुद को मुक्त किया है, अब तुम भी मुझे मुक्त करो।और मैं पुनः मर गया।

महेश अमन
रंगकर्मी सह कवि
गिरिडीह झारखण्ड

हाल ए दिल

चैत का महीना खत्म होने को है, गांव-जवार से लेकर खेत-खलिहानों तक आग बरस रही है! ऐसी ही एक दुपहरी कस्बे के छोटे से बाजार में अपने पिता की अंगुली पकड़े 11-12 साल का एक लड़का कोल्डड्रिंक की दुकान के सामने रुकता है... पापा, वो हरे रंग वाली बोतल! पिला दो ना, प्यास लगी है! एकदम आशिक है कोल्डड्रिंक का तू! बहुत पसंद है ना तुझे?--पिता ने बेटे को छेड़ा! बहुत पापा! पर क्या करुं, तुम घर नहीं होते तो माँ इसे नहीं खरीदती! ओह! कल तो मैं कलकत्ते चला जाऊंगा, फिर कौन पिलायेगा तुझे!--पिता की आँखें गीली हुई! तब मैं मन को मना लूंगा ना!--बेटे का भोला स्वर! फिर बाप-बेटे ने एक एक बोतल स्प्राइट पी! ये सौ रुपये रख ले, माँ को मत बताना! जब मन करे, गाँव के बाजार में जाकर पी लेना! आषाढ़ का महीना! पिता कलकत्ते आकर फैक्ट्री के काम में मशगूल हो चुका है! शाम के समय काम से छुट्टी भी मिली और महीने की पगार भी! अपने मजदूर साथियों के संग वो डेरे पर जाने को निकला! ओफ्फ! बड़ी उमस है आज तो, चल ना, ठंडा पीते हैं!--एक साथी ने प्रस्ताव रखा! बाकियों ने समर्थन किया! पिता ने दृढ़ता से इंकार में सर हिलाया--ना ना, मैं नहीं पीता, गला बैठ जाता है मेरा! बाकियों ने चुहल की--पैसा सर पर लाद कर उपर नहीं ले जायेगा

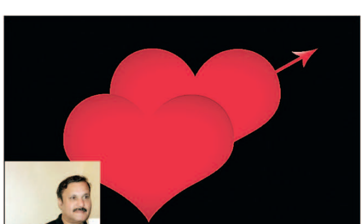

यार! हम ये हाड़तोड़ मेहनत इसीलिए करते हैं ताकि कभी-कभार ही सही, जीवन का आनंद ले सकें! पर पिता को इन बातों से फर्क ना पड़ा! वो जल्दी से हाथ छुड़ाकर अपने डेरे पर पहुंचा और बेटे को फोन मिलाया-- और सुनाओ बेटे, जो पैसा दिया है तुमको, उसका कोल्डड्रिंक पी रहे हो कि नहीं! बस सौ रुपये ही तो हैं पापा, ऐसे पीऊंगा तो कितने दिन चलेंगे...! पिता ने फोन काट दिया--ना ना, वहाँ मेरा बेटा नहीं पी रहा तो फिर मैं बड़ा होकर यहाँ कैसे पी सकता हूँ! पिछली बार उसी के साथ पी थी, अबकी दशहरे में घर जाऊंगा तो बड़ी बोतल ले चलूंगा, फिर बाप-बेटे दोनों एक साथ...! क्वार का महीना! इधर कस्बे के टेसन पर उतरकर उत्साह से भरे पिता ने स्प्राइट की बड़ी बोतल ली और उधर बेटा स्कूल से छूटते ही भागकर गाँव के बाजार में गंगा साह की दुकान पर पहुंचा! पिता के दिये सौ रुपये, जिसे उसने महीनों से जतन से संभाल रखा था, आज उसे खर्चने का टाइम आ गया था! शाम के समय दोनों ने अपने अपने पास से बोतल निकालते हुए एक-दूसरे को सरप्राइज दिया! क्यों रे! इतनी बड़ी बोतल के लिए पैसे कहाँ से आये तुम्हारे पास! माँ ने पैसे दिये थे!--बाप की आँखों में हैरत थी। शशश धीरे बोलो पापा, वो सुन लेगी! आपने पिछली बार जाते समय जो सौ का नोट दिया था, उसी से लिया है!--बेटे ने सरगोशी की। पागल, वो पैसे तुम्हें ठंडा पीने को दिये थे ना, अब तक क्यों बचाकर रखा? अकेले कैसे पीता पापा! क्यों, वो तो तुम्हें बहुत पसंद है! पर आपसे ज्यादा थोड़े पापा! आप तो आठ आठ-नौ नौ महीनों के लिए कलकत्ते चले जाते हैं, ऐसे में आपका दिया पैसा ही तो निशानी होती है आपकी! जब जब आपकी याद आती है, उसे चुपके से एक नजर देख लेता हूँ! ऐसे कैसे खर्च देता उसे! --बेटे की आँखें भी पनीली हो गयीं! बहुत सयाना हो गया है रे तू! कहाँ से सीखा है ये सब? आप पिता हैं ना! अगर मेरी जगह आप होते, तब समझते ये बात! वैसे आप तो कलकत्ते में खूब पीते होंगे ये? बाप चुप! बोलिये ना पापा! क्या बोलूं, तू बेटा है ना, इसलिए नहीं समझेगा! अगर मेरी जगह तू होता, तब समझता कि मेरे दिल पर क्या गुजरती है वहाँ! फिर दोनों मौन हो गये! हाल-ए-दिल... जो ना किसी से कहते बनता है और ना ही छुपाते, पर जीना पड़ता है खुद की ही सुनते, खुद को ही सुनाते! जिंदगी की कुछ विचित्रतायें और कुछ भावनायें कभी शब्दों की आँच पर नहीं सींझती, अधपकी रहना उनकी नियति

Ajay Kumar Biyani
Nipaniya Indore

आज की रात मजा हुस्न का आंखों से लीजिए

आज की रात मजा हुस्न का आंखों से लिजिए ये गाना अभी रिलीज स्ट्रीट2 का है।जो काफी लोकप्रिय हो रहा है इसमें मजा शब्द को काफी हाइलाइट किया गया है। आंखों से किसे को निहारने को इन गीतकारमजा शब्द का उपयोग किया गया है। मजा लेने वालो की राजनीति में कोई कमी नहीं है। सभी पार्टियां एक दूसरे को नीचा दिखाने के लिए ऐसा सुलगता तीर छोड़ती है जिससे से सामने वाली पार्टी तिलमिला जाए। तीर भेदने वाला मजा लेता हैं। दूसरी पार्टी पलटवार कर उससे तीखा वार करके मजे लेती है। राजनीति में सभी दल मजे लेने के लिए घुसते है। सत्ता रूपी सुंदरी मिलते ही टूट पड़ते है और मजे लेते हैं नेता गण और उनके राजनीतिक पट्ठे निचले स्तर तक के यहां तक कि गधे भी गुलाब जामुन के मजे लेते हैं। मजा मिल रहा तो क्यों न लूटे? शादी के निकलने वाले प्रोसेशन में बाराती खूब मजे लूटते है तरह तरह के नृत्य , नागिन डांस करके जनताजाए भाड़ में अभी तो मजे लो। डॉक्टरों और नर्सिंग होम वालों की मरीज गिरफ्त में आते ही बांछे खिल जाती है मस्ती से मजे लूटते है। साहूकार जरूरतमंद को रुपया देकर खून चुसकरमस्तमौला होता है। अफसरो का क्या कहना जैसा विभाग वैसी मस्ती नीचे से ऊपर तक दोनों जवानी की मस्ती में चूर ना तेरा कसूर ना मेरा कसूर पूरी व्यवस्था में भांग घुली तो ये गाना गाएंगे ही मजा शब्द को उल्टा करो तो जाम होता है जब गानों में ऐसे दृश्य और नृत्य देखकर निगाहे जाम ही तो होती है? निगाहे हट नहीं पाती युवाओ की और आंखे सेकनेवालों की। पुराने दौर की फिल्म में किस शालीनता के साथ ये गाना फिल्माया गया छलकाए जामआप की आंखों और होंठों के नाम। टकराकर जाम के मजे लिए। जाम को टकराने वालों की देश में कोई कमी नहीं है अपने मजे लेने के लिए परिवार वालो को सजा देता है। मस्ती मजे के एक और रूप ड्रग्स सिगरेट, ई सिगरेट, तंबाखू हुक्का सभी हराम की चीजों में मजे लेने की कोई कमी नहीं चेतावनी के बादभी मजे लेते लेते इनकी जिंदगी से क जा हो जाती है। परिवार वालो को बिलखता छोड़ जाते है।

मोहम्मद हुसैन हाटपिपलीयवाला

जीडीसीएल कंपनी ने मार्ग पर लीपापोती का काम किया शुरू

205 करोड़ की लागत से बनी सांवेर-देपालपुर सड़क में बड़ा घोटाला घटिया निर्माण, जगह-जगह गड्ढे, लोगों में आक्रोश

देपालपुर। सांवेर और देपालपुर को जोड़ने वाली 205 करोड़ की लागत से बनी 105 किलोमीटर लंबी सड़क में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार और अनियमितताओं का खुलासा हुआ है। निर्माण की खराब गुणवत्ता के कारण यह सड़क लोगों के लिए एक दु:स्वप्न बन गई है, और आए दिन हो रही दुर्घटनाओं ने कई परिवारों को असमय अपनों को खोने पर मजबूर कर दिया है। देपालपुर प्रेस क्लब की पहल पर इस मामले ने तूल पकड़ा, जिसके बाद एमपीआरडीसी (मध्य प्रदेश रोड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन) के प्रबंध निदेशक अविनाश लवानिया के निर्देश पर इस परियोजना की जांच के आदेश दिए गए हैं।

घटिया निर्माण से जनता में रोष–

देपालपुर से सांवेर, गिरोता से रंगवासा, और केसूर से देपालपुर तक फैली इस सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे, दरारें, और जलजमाव जैसी गंभीर समस्याएं हैं। कई जगहों पर शोल्डर (कंधे) नहीं भरे गए हैं और संकेतक भी नहीं लगाए गए हैं। सड़क के बीचों-बीच पड़ी दरारें और अधूरे ड्रेनेज सिस्टम की वजह से पानी जमा हो जाता है, जिससे आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं। बनेडिया और अटाहेड़ा जैसे क्षेत्रों में जलभराव के कारण यातायात बाधित होता है और हादसे होना आम हो गया है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि सड़क का काम शुरू से ही घटिया स्तर का था और कंपनी ने सिर्फ दिखावे के लिए काम किया है। लोगों का कहना है कि एमपीआरडीसी और जीडीसीएल के अधिकारी जमीनी स्थिति से पूरी तरह अनभिज्ञ हैं और उन्होंने इस गंभीर स्थिति को सुधारने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया है।

भाजपा नेता अर्पित चौधरी का बयान–

भाजपा नेता और शिकायतकर्ता अर्पित चौधरी ने इस मामले में सीएम हेल्पलाइन पर भी शिकायत दर्ज कराई है। उनका कहना है कि इतने बड़े पैमाने पर हुए भ्रष्टाचार के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है, जिससे जनता के बीच असंतोष और नाराजगी बढ़ रही है। उनका कहना है कि ÷इस सड़क पर भ्रष्टाचार और घटिया निर्माण के कारण कई परिवारों के चिराग बुझ गए हैं, और अब जनता शासन से जवाब मांग रही है।÷

एमपीआरडीसी का रुख

एमपीआरडीसी के सीजीएम अभिषेक गेहलोत ने कहा, ÷संबंधित शाखा से फाइल मंगवाई जा रही है। सरकार ने पहले भी इस मामले की जांच के लिए कमेटी का गठन किया था और रिपोर्ट के आधार पर जीडीसीएल कंपनी पर पेनल्टी लगाने का प्रस्ताव है। जल्द ही इस मामले में कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

क्षेत्रीय जनता का आक्रोश और प्रशासन की चुप्पी:–

इस भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के कारण स्थानीय निवासियों में गहरा आक्रोश है। लोगों का कहना है कि करोड़ों की लागत से बनी सड़क में अगर इतनी खामियां हैं तो इसका जिम्मेदार कौन है? लोगों ने प्रशासन से अपील की है कि दोषियों को जल्द से जल्द सजा दी जाए और सड़क की मरम्मत का काम प्राथमिकता से करवाया जाए।

सड़क निर्माण में भ्रष्टाचार का यह मामला

205 करोड़ की लागत से बनी सड़क का यह मामला राज्य की सड़कों की गुणवत्ता और प्रशासनिक निगरानी पर सवाल खड़े करता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशासनिक अधिकारी और कंपनी के अधिकारियों ने भ्रष्टाचार कर लोगों की जान खतरे में डाल दी है। जनता का यह भी आरोप है कि भ्रष्टाचार के इस मामले में सिर्फ कंपनी ही नहीं बल्कि प्रशासन के अधिकारी भी शामिल हो सकते हैं। आम जनता, क्षेत्रीय नेता और देपालपुर प्रेस क्लब ने इस गंभीर मामले पर तत्काल कार्रवाई की मांग की है। अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस पर क्या कदम उठाता है और जनता की आवाज़ सुनकर कब तक इस सड़क को सुरक्षित और चलने योग्य बनाता है।

महिलाओ को तलवार देना मतलब उनको हिंसक और अपराधी बनाना - राहुल निहोरे

इंदौर। जिस सविधान ने महिलाओ से खुद कि आत्म रक्षा के लिए हथियार के रूप से कलम दी जिससे आज कि महिला दुनिया के सबसे शक्ति शाली राष्ट्र अमेरिका कि राष्ट्र पती के चुनाव तक खड़ी हो पायी भारत देश मे राष्ट्र पती प्रतिभा पाटिल प्रधान मंत्री इंदिरा गाँधी लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन वर्तमान राष्ट्र पती द्रोपती मुर्मू जैसे पदों पर रहकर महिला शसक्ति करण का परिचय दे चुकी है वही दूसरी तरफ इंदौर मे महिलाओ के हाथो मे तलवार देकर फिर उन्हें वर्षो पीछे करने कि सादीस है उनके हाथो से किताबें लेकर सविधान लेकर क्या हथियार देने से वो मजबूत बनेगी। आज के 21वी सदी मे हथियारों से खुद को मजबूत समझना सबसे बड़ी बेवकूफी है क्योंकि हथियारों से तो सिर्फ अपराधी ही बना जा सकता है और सविधान के होते हुए हथियार उठाना सविधान का अपमान है । जो देश गौतम बुद्ध महावीर और गाँधी के अहिंसा को मानता हो जहाँ देश का सबसे बड़ा लोकतंत्र हो मजबूत सविधान हो वहा हम हथियारों को मजबूती का प्रतीक बताकर सिर्फ महिलाओ के साथ धोखा कर रहे है। निहोरे ने आरोप लगाया कि महिलाओ के हाथ मे हथियार देने का मतलब है उनकी सोच हिंसक बनाना अगर महिलाओ के सशक्तिकरण करना हो तो महिलाओ को शिक्षा रोजगार देने कि बात कि जाती अगर गलती से कोई महिला इन तलवार से किसी को घायल कर देती है तो इसका जिम्मेदार कौन होगा क्या महिलाओ पर अपराध दर्ज नहीं होगा क्या उनका जीवन खराब नहीं होगा इसका जिम्मेदार कौन होगा।

निहोरे द्वारा राष्ट्र पती द्रोपती मुर्मू को पत्र लिखकर इंदौर मे महिलाओ को हथियार देने वालो के खिलाफ कार्यवाही करने कि मांग कि है क्योंकि महिलाओ को हथियार देने का मतलब है कि उन्हें देश के सविधान और क़ानून का मज़ाक़ उड़ाना है इन हथियारों से भविष्य मे कोई भी अप्रिय घटना हो सकती है और इस रिकार्ड को सविधान और क़ानून के लिए काला दिन कहा है

संजय शुक्ल और राघवेंद्र सिंह को सीएमओ से हटाया

मोहन सरकार की बड़ी प्रशासिनक सर्जरी, 26 आईएएस की नई पदस्थापना

इंदौर (इ)। राज्य सरकार ने सोमवार रात बड़ी प्रशासनिक सर्जरी करते हुए 26 बड़े अफसरों के तबादले कर दिए। मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रमुख सचिव राघवेंद्र सिंह और संजय शुक्ल को हटा दिया गया है। राघवेंद्र सिंह को अब औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग और सूक्ष्म लघु व मध्यम उद्योग विभाग का प्रमुख सचिव बनाया गया है। वहीं, शुक्ल को नगरीय विकास व आवास का प्रमुख सचिव बनाया गया है।

अनुराग चौधरी को खनिज निगम के प्रबंध संचालक पद से हटाकर अपर सचिव पिछड़ा वर्ग व अल्पसंख्यक विभाग बनाया गया है। मध्य प्रदेश सरकार ने सोमवार देर रात कई बड़े अफसरों को इधर से उधर कर दिया। उर्जा विभाग के एसीएस मनु श्रीवास्तव को अब खेल व युवक कल्याण विभाग का जिम्मा दिया गया है। इनसे उर्जा विभाग लेकर नीरज मंडलोई को दिया गया है। एसीएस नीरज मंडलोई से नगरीय विकास का प्रभार लेकर संजय शुक्ल को दिया गया है। शुक्ल को गृह निर्माण, अधोसंरचना विकास मंडल का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है।

बामरा जनजाति कार्य विभाग के प्रमुख सचिव –उमाकांत उमराव प्रमुख सचिव श्रम विभाग को खनिज साधन विभाग, पशुपालन व डेयरी विभाग का प्रमुख सचिव बनाया गया है तथा खनिज निगम का प्रबंध संचालक तथा संचालक भौमिकी व खनिकर्म का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। पर्यावरण विभाग के प्रमुख सचिव और पर्यावरण आयुक्त तथा इप्को के महानिदेश गुलशन बामरा को जनजाति कार्य विभाग का प्रमुख सचिव बनाया गया है। जनजाति कार्य विभाग, अनुसूचित जाति के प्रमुख सचित तथा आयुक्त आदिवासी विकास डॉ. ई. रमेश कुमार ब सिर्फ अजा कल्याण विभाग के प्रमुख सचिव ही रहेंगे।

श्रीमन शुक्ल आदिवासी विकास के आयुक्त –सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग विभाग के सचिव, उद्योग आयुक्त, लघु उद्योग निगम के एमडी का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे डॉ. नवनीत मोहन कोठारी को पर्यावरण विभाग का सचिव एवं पर्यावरण आयुक्त तथा महानिदेशक एप्को का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। शहडोल संभाग के आयुक्त श्रीमन शुक्ल को आयुक्त आदिवासी विकास मप्र भोपाल बनाया गया है। राजस्व मंडल ग्वालियर के सदस्य मदन विभीषण नागरगोजे को हस्तशिल्प एवं हथकरघा मप्र भोपाल का आयुक्त और हस्त शिल्प एवं हथकरघा विकास निगम के एमडी का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

सुरभि गुप्ता आयुक्त शहडोल बनीं–चिकित्सा शिक्षा विभाग की सचिव और मप्र राज्य एड्स कंट्रोल सोसायटी की संचालक का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहीं सुरभि गुप्ता का शहडोल संभाग का आयुक्त बनाया गया है। मप्र राज्य कृषि उद्योग विकास निगम के प्रबंध संचालक दिलीप कुमार को आयुक्त तथा लघु उद्योग के एमडी का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की मिशन की संचालक प्रियंका दास को सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग विभाग का अपर सचिव बनाया गया है। श्रम विभाग की अपर सचिव प्रीति मैथिल को उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग का अपर सचिव एवं उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण का वि.क.अ. सह अपर संचालक का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है।

मनीष सिंह को परिवहन विभाग का अपर सचिव –मप्र गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल के आयुक्त मनीष सिंह को परिवहन विभाग का अपर सचिव, मध्य प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम का प्रबंध संचालक तथा इंटर स्टेट ट्रांसपोर्ट अथारिटी भोपाल का कार्यपालन अधिकारी का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। मप्र खनिज निगम के प्रबंध संचालक तथा खनिज साधन विभाग के पदेन अपर सचिव तथा प्रशासन एवं खनिकर्म, संचालनालय भौमिक एवं खनिकर्म के संचालक का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे अनुराग चौधरी को पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग का अपर सचिव बनाया गया है।

मनोज पुष्प सहकारिता संस्थाएं के आयुक्त–हस्त शिल्प एवं हथकरघा विकास निगम के प्रबंध संचालक तथा हस्त शिल्प तथा हथकरघा आयुक्त तथा रेशम आयुक्त व वन विभाग के अपर सचिव का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे मोहित बुंदस के पास अब रेशम आयुक्त एवं वन विभाग के अपर सचिव का प्रभार रहेगा। पंचायत राज के संचालक और राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के सीईओ का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे मनोज पुष्प को सहकारिता संस्थाएं मप्र भोपाल का वि.क.अ. सह आयुक्त, सह पंजीयक बनाया गया है।

गौतम सिंह राजस्व विभाग के अपर सचिव–कौशल विकास के परियोजना संचालक तथा तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग के पदेन अपर सचिव तथा राज्य कौशल विकास एवं रोजगार निर्माण बोर्ड के सीईओ एवं रोजगार संचालक का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे गौतम सिंह को राजस्व विभाग का अपर सचिव बनाया गया है। सामान्य प्रशासन विभाग के अपर सचिव तथा लोकसेवा प्रबंधन विभाग के अपर सचिव का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे गिरिश शर्मा को कौशल विकास परियोजना का परियोजना संचालक, तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी मप्र राज्य कौशल विकास एवं रोजगार निर्माण बोर्ड तथा रोजगार संचालक का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

कुमार पुरुषोत्म कृषि विपणन बोर्ड के एमडी–महिला वित्त एवं विकास निगम की प्रबंध संचालक निधि निवेदिता को मत्स्य महासंघ का प्रबंध संचालक तथा मछुआ कल्याण तथा मत्स्य विकास विभाग के उपसचिव का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के उपसचिव कुमार पुरुषोत्तम को प्रबंध संचालक कृषि विपणन बोर्ड, सह आयुक्त मंडी मप्र भोपाल बनाया गया है। राज्य शिक्षा केंद्र की अपर मिशन संचालक उमा माहेश्वरी आर. को भारतीय चिकित्सा पद्धति एवं होम्योपैथी वि.क.अ. सह आयुक्त सह संचालक तथा पर्यावरण नियोजन एवं समन्वय संगठन एप्को का कार्यपालन संचालक का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

डॉ. सलोनी सिडाना एमडी एनएचएम बनाया–भारतीय चिकित्सा पद्धति एवं होम्योपैथी की वि.क.अ. की सह आयुक्त सह संचालक तथा पर्यावरण नियोजन व समन्वय संगठन एप्को की कार्यपालन संचालक का अतिरिक्त प्रभार संभाल रही डॉ. सलोनी सिडाना को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन का मिशन संचालक, मप्र पब्लिक हेल्थ सर्विसेस कार्पोरेशन लि. के प्रबंध संचालक का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है। इसके अलावा राजस्व विभाग की उपसचिव शुति स्मिता सक्सेना को लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग का उप सचिव तथा मप्र राज्य एड्स कंट्रोल सोसायटी के संचालक का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

ठंड में 40 से 50 फीसदी बढ़ जाता है बच्चों में निमोनिया का खतरा

इंदौर। । ठंड के मौसम की शुरुआत हो चुकी है। इससे बच्चों में निमोनिया का खतरा 40 से 50 फीसदी बढ़ जाता है। इसकी सही समय पर पहचान करके इलाज न किया जाए तो जानलेवा भी साबित हो सकता है। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़े बताते हैं कि प्रदेश में साल में 17 हजार बच्चों की मौत निमोनिया से होती है।

हमीदिया और जेपी अस्पताल के बाल एवं शिशु रोग विभाग की ओपीडी में ठंड के समय निमोनिया से पीड़ित बच्चों की संख्या में इजाफा हो जाता है। रोजाना 40 से 50 बच्चे उपचार के लिए पहुंचते हैं। इनमें से चार से पांच बच्चों को भर्ती करने की आवश्यकता पड़ती है। ठंड के समय मौसम अचानक बदलने से फेफड़ों में होने वाले एक तरह के संक्रमण से सांस लेने में परेशानी होती है। यह शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को कम कर देता है। चिकित्सक इसे ही निमोनिया कहते हैं। अगर निमोनिया के लक्षण बच्चों या बुजुर्गों में दिखें तो तुरंत डाक्टर की सलाह लेनी चाहिए।

ठेकेदार एडवांस लेकर भागे, परियोजनाएं अधर में

विभागों की गाइड लाइन बढ़ा रही है परेशानी

इंदौर (ई)। प्रदेश में विभिन्न योजनाओं-परियोजनाओं को लेकर विभागों द्वारा जो गाइड लाइन बनाई गई है, वह ठेकेदारों की परेशानी बढ़ा रही है। इसका असर यह हो रहा है कि कई परियोजनाओं में काम कर रहे ठेकेदार एडवांस लेकर भाग गए हैं। इससे काम अधर में लटका हुआ है। जानकारों का कहना है कि सरकारी परियोजनाओं में काम करने वाले ठेकेदारों को विभागों के कई तरह के कायदे-कानूनों का पालन करना पड़ता है, इसलिए ठेकेदार एडवांस लेने के बावजुद भी काम नहीं कर रहे हैं।

प्रमुख अभियंता जल संसाधन विभाग शिरीष मिश्रा का कहना है कि ठेकेदारों को मोबिलाइजेशन एडवांस देने के लिए सरकार ने पहली बार नियम लागू किए हैं। पीडब्ल्यूडी-पीएचई आदि में 10 प्रतिशत तक अग्रिम देने का नियम हैं, लेकिन जल संसाधन विभाग में केवल 2.50 प्रतिशत यानि वाई प्रतिशत ही देने का प्रावधान है। प्रेशराइज्ड प्रोजेक्ट में जरूर 70 से प्रतिशत एडवांस ठेकेदारों को किया जा सकता है। ठेकेदारों को मोबिलाइजेशन एडवांस देने के लिए सरकार ने जो नियम लागू किए हैं, उसके तहत जल संसाधन विभाग भी अब ठेकेदारों को मोबिलाइजेशन के रूप में सिर्फ 2.50 प्रतिशत राशि एडवांस में दे सकेगा। जबकि पीडब्ल्यूडी सहित अन्य विभागों में ठेकेदारों को एडवांस 10 प्रतिशत तक दिए जाने का प्रावधान है। एरिगेशन यह मोबिलाइजेशन सिर्फ टर्न की पद्धति पर ठेका लेने वाले ठेकेदारों को 110 प्रतिशत गारंटी देने पर 50 करोड़ से अधिक के कामों पर देगा। उधर, भोपाल सहित कई आवासीय प्रोजेक्ट में एडवांस लेकर ठेकेदार भाग गए हैं। मप्र में निर्मित होने वाली अधिकांश बड़ी-छोटी सिंचाई परियोजनाओं में अब पाइप लाइन का इस्तेमाल होने लगा है। इसके पहले निर्मित सिंचाई प्रोजेक्ट नहर आधारित होते थे, जिनके माध्यम से सिंचाई के लिए खेतों तक पानी पहुंचाया जाता था, लेकिन अब प्रेशराइज्ड यानि पाइप लाइन के जरिए पानी खेतों तक जाने लगा है। इससे सीवेज नहीं होने से पानी की बचत होने लगी है और इसका उपयोग पीने के लिए भी किया जाने लगा है। वैसे पाइप लाइन आधारित सिंचाई प्रोजेक्ट में विभाग ठेकेदारों को 70 से 80 प्रतिशत तक राशि एडवांस में देता है। यह राशि एडवांस में देने के कारण ही विवाद और गड़बड़ियों की शिकायतें ज्यादा मिल रही है। खासकर छिंदवाड़ा काम्प्लेक्स से लेकर रीवा-सतना, शहडोल-बालाघाट आदि के मामले विधानसभा में भी उठ चुके हैं। एडवांस भुगतान बाद ठेकेदार द्वारा प्रस्तुत किए गए पहले बिल से मोबिलाइजेशन एग्रिम की वसूली तुरंत शुरू हो जाएगी और प्रत्येक चालू बिल से बिल राशि के 5 प्रतिशत की दर से वसूला जाएगा। यदि अग्रिम भुगतान की उमुली निर्धारित अनुबंध अवधि के 50 प्रतिशत या व्यय के 50 प्रतिशत आगे जारी रहती है, तो बीजी को भुनाया जाएगा। मोबिलाइजेशन एडवांस के लिए ठेकेदार द्वारा प्रस्तुत बीजी को अग्रिम की पूरी राशि की वसूली के बाद जारी किया जाएगा।

कई प्रोजेक्ट आधे-अधूरे

पीडब्ल्यूडी, पीएचई, नगरीय विकास एवं आवास आदि विभागों में ठेकेदार द्वारा ठेका लेने के तत्काल बाद मशीनरी, उपकरण, मटेरियल की खरीदी के लिए दो किश्तों में 5-5 प्रतिशत एडवांस राशि दिए जाने का नियम लागू है। उक्त राशि को ठेकेदार के बिल से वसूला जाता है। लेकिन प्रदेश में कई ठेकेदार एडवांस लेकर भाग गए हैं, जिसके कारण वह प्रोजेक्ट पूरा नहीं हो पाया है। खासकर नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा निर्मित कराए जा रहे शहरी पीएम आवास योजना के कई प्रोजेक्ट में ठेकेदार एडवांस लेकर रफूचक्कर हो गए हैं, जिससे आवास के लिए पूरी राशि जमा करने वाले लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है, क्योंकि वह आवासीय प्रोजेक्ट करीब दो साल से आधे- -अधूरे पड़े हुए हैं। सबसे ज्यादा स्थिति भोपाल में खराब है। जल संसाधन विभाग द्वारा जारी नियमों में टर्नकी अनुबंधों के तहत ठेका लेने वाले ठेकेदार या कंपनी को एक बार ब्याज मुक्त मोबिलाइजेशन अग्रिम देगा, जो अग्रिम राशि के विरुद्ध 110 प्रतिशत राशि की बिना शर्त बैंक गारंटी पर ढाई प्रतिशत (2.50), अनुबंध मूल्य का, या 50 करोड़ रुपए जो भी कम हो, से अधिक नहीं होगा। जो नियोका को स्वीकार मप्र में स्थित किसी राष्ट्रीयकृत या अनुसचित (सहकारी बैंक को छोड़ कर बैंक की शाखा द्वारा जारी किया जाएगा। यदि ठेकेदार द्वारा मांग की जाती है, तो समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद मोबिलाइजेशन एडवांस स्वीकार्य होगा।

राठौड़ को सम्मानित किया

सैलाना। राजा भोज जन कल्याण समिति द्वारा राजपूत बोर्डिंग रतलाम में जिले की सामाजिक सांस्कृतिक संस्थाओं का दीपावली मिलन समारोह रखा गया, इस समारोह में सैलाना के फिल्म निर्माता निर्देशक राजेंद्र राठौड़ का सम्मान किया गया। इस अवसर पर राठौर फिल्म एंड एंटरटेनमेंट द्वारा जिले पर बनाई जा रही डॉक्यूमेंट्री फिल्म पर जिले के सभी संस्थाओं से अनुरोध किया कि अपने क्षेत्र की प्रसिद्ध जगह धार्मिक ऐतिहासिक सांस्कृतिक,की जानकारी संस्था को उपलब्ध कराई जाए, ताकि फिल्म में इसका समावेश किया जा सके, साथी राठौर फिल्म की सहयोगी संस्था जय श्री राम म्यूजिक द्वारा भी क्षेत्र के गीतकार संगीतकार एवं गायको को आने वाले म्यूजिक वीडियो में प्राथमिकता से मौका दिया जाएगा आयोजित दीपावली मिलन समारोह पर संस्था प्रमुख नरेंद्र सिंह पवार , डॉ प्रदीप सिंह सिंह राव , गुरु गोविंद सिंह राठौर,मध्य प्रदेश फिल्म फेडरेशन के संस्थापक ओमप्रकाश त्रिवेदी,जिले की समस्त संस्थाएं उपस्थिति रही। ?श्री राठौर ने बताया कि इस तरह के कार्यक्रम होने से क्षेत्र के कलाकारों को मंच और मौका मिलता है अपनी प्रतिभा दिखाने का ,रतलाम जिले में एक सुसज्जित ऑडियो वीडियो ऑडिटोरियम ना होने के कारण प्रदेश एवं राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम रतलाम में नहीं हो पा रहे हैं ,आजादी के 78 साल बाद भी हमारी सामाजिक सांस्कृतिक संस्थाएं कार्यक्रम करने के लिए अनाथ की तरह जगह ढूंढती रहती है यह हमारा दुर्भाग्य है। संस्था द्वारा शासन से मांग की गई है कि आने वाले समय में व्यवस्थित ऑडिटोरियम का निर्माण किया जाए ताकि जिले के कलाकारों को संगीत कार्यक्रम नाट्य विधा में सुविधा प्रदान हो साथी इस ऑडिटोरियम में जिले के साहित्यकार कलाकार एवं इतिहास की गैलरी भी बनाई जाए ताकि आने वाले पीढ़ी को जिले के गौरवशाली इतिहास की जानकारी मिल सके।

जैन सोशल ग्रुप रतलाम मेन का दीप मिलन समारोह के अंतर्गत हास्य कवि सम्मेलन संपन्न

रतलाम। सागोद रोड स्थित चंपा विहार में जैन सोशल ग्रुप रतलाम मेन का दीप मिलन समारोह के अंतर्गत हास्य कवि सम्मेलन रखा गया। जिसमें ब्रजराज बृज -वीर रस, नरेंद्र नखेत्री- मालवी हास्य कवि, डॉ. लोकेंद्र जड़िया- हास्य रस कवि धार नागदा कवियों द्वारा कविताएं सुनाई गई। जिसमें से दो कवि हास्य रस के तथा एक कवि वीर रस के था। सर्वप्रथम भगवान शंखेश्वर के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलंकर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। दीप प्रज्वल्लन में सभी पूर्व अध्यक्षों को बुलाया गया तथा तत्कालीन अध्यक्ष अजय सिसोदिया की अध्यक्षता में दीप मिलन समारोह संपन्न किया गया। सभी कवियों का स्वागत मोतियों की माला से ग्रुप के पदाधिकारी एवं सदस्यों द्वारा किया गया। तत्पश्चात कवि सम्मेलन प्रारंभ हुआ। दीप मिलन समारोह अध्यक्ष अजय सिसोदिया,सचिव राजेंद्र भंडारी,उपाध्यक्ष संजय भंडारी,कोषाध्यक्ष चंद्र सेन गडिया,ग्रुप के वरिष्ठ श्री फतेह लाल कोठारी कार्यक्रम में उपस्थित पूर्व अध्यक्ष सुशील छाजेड़,निर्मल लुनिया, विमल छाजेड, महेंद्र कोचर,अशोक बरमेचा, प्रदीप लोढ़ा, कमलेश बुफकया, राजेंद्र दर्डा, महेंद्र कटारिया,नरेंद्र गादिया की सपरिवार उपस्थिति रही तथा बेस्ट कपल बेस्ट ड्रेस आदि प्रतियोगिताएं भी की गई। जिसमें पुरस्कृत किया गया।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रुप के सदस्य महिलाएं पुरुष एवं बच्चे उपस्थित थे।

क्षत्रिय मारू समाज संगठन द्वारा दीप मिलन समारोह संपन्न

रतलाम। फूल मंडी रोड स्थित कुमावत समाज की धर्मशाला में वरिष्ठ नागरिक की उपस्थिति में क्षत्रिय मारू (कुमावत) समाज संगठन द्वारा दीप मिलन समारोह का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम गणेश जी का पूजन अतिथि देवो भव~ की परंपरा का निर्वहन करते हुए बाहर से पधारे अतिथियो का स्वागत वंदन हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में गोपाल गौशाला के संस्थापक ग्राम खुटपला जिला धार निवासी रामचंद्र जी सालेचा ने अपने विचार व्यक्त किए व अतिथियों ने अपने विचार में समाज में बच्चों में शिक्षा संस्कारों का स्तर सुधारने एवं मातृशक्ति को नारायणी स्वरूप दिया। स्वागत भाषण अध्यक्ष मनोहर लाल कुमावत द्वारा व आभार श्री उपाध्यक्ष राधेश्याम मारु द्वारा किया गया। कार्यकारिणी सदस्यों द्वारा स्नेह भोज का आयोजन रखा गया।

अंडर ब्रिज संख्या 115 से आवागमन एक महीने के लिए बंद

रतलाम। पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के नीमच-बिसलवासकलां खंड में स्थित दूरदर्शी अंडर ब्रिज संख्या 115 के फ्लोर मरम्मत कार्य हेतु एक महीने के लिए आवागमन बंद रहेगा। नीमच-बिसलवासकलां खंड में दूरदर्शी गांव के पास स्थित अंडर ब्रिज संख्या 115 का फ्लोर बारिश के दौरान खराब हो जाने के कारण सड़क उपयोगकर्ताओं की सुविधा के लिए अंडर ब्रिज के सतह का मरम्मत कार्य किया जा रहा है। इस हेतु तत्काल प्रभाव से अगले एक महीने तक अंडर ब्रिज संख्या 115 से आवागमन बंद रहेगा। इस दौरान सड़क उपयोगकर्ता परेशानी से बचने के लिए अंडर ब्रिज संख्या 116 का उपयोग कर सकते हैं।

व्यक्ति सिद्धांत से समझौता नही करते उसका नाम प्रभुदयाल गेहलोत - जीतू पटवारी

हमें संगठन के लिए काम करना है हर्ष गेहलोत

सैलाना। मध्य प्रदेश सरकार ने चुनाव के पहले जो वादे किए थे। जिसमे सोयाबीन छह हजार रुपए प्रति क्विंटल, गेहूं तीन हजार प्रति क्विंटल हम खरीदेंगे,इधर लाडली बहनाओं को शिवराज सिंह चौहान ने तीन हजार रुपए देने का वादा किया और आड़ी तिरछी बातें करके सत्ता में आ गए लेकिन अब सरकार जनहित के कोई भी काम पर ध्यान नहीं दे रही हैं। सभी सरकारी खजाने को लूटने में लगे है। उपरोक्त बात प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मंगलवार को सैलाना में आयोजित कार्यक्रम में कहीं वे सैलाना नगर में स्वर्गीय प्रभुदयाल गेहलोत की जन्म जयंती तथा दिपावली मिलन समारोह में शिरकत करने आए थे नगर में आने के पहले उन्होंने मोती बंगला स्थित स्वर्गीय प्रभुदयाल गेहलोत की प्रतिमा पर पूर्व मंडी अध्यक्ष शेखर गहलोत तथा पूर्व विधायक हर्ष विजय गेहलोत की उपस्थिति में माल्यार्पण किया। माल्यार्पण के बाद स्थानीय जैन धर्मशाला में आयोजित कार्यक्रम स्थल पर आए। यहां पर कांग्रेस कार्यकर्ताओ ने पटवारी को 51 किलो का फुलो का हार व साफा बांधकर तीर कमान भेंट किये।

प्रदेशाध्यक्ष अध्यक्ष पटवारी ने उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश में बैकलॉग अनुसूचित/जाति जनजाति के डेढ़ लाख पद रिक्त है। लेकिन सरकार अभी तक भर्ती नहीं कर रही है। विजयपुर उप चुनाव में हम 50 हजार मतों से जीतेंगे। हालांकि यहॉ भी भाजपा ने राजस्थान से गुंडे बुलवाकर ग्रामीणों पर गोलियां बरसाई। जिससे कई आदिवासी हताहत हुए। हम अगले विधान सभा चुनाव तक पच्चीस साल से सत्ता से बाहर हो चूके होगें । हमे एक होकर लड़ना है । विधानसभा चुनाव के बाद लोकसभा चुनाव हुए। इस चुनाव मे कुछ लोग पार्टी छोड़कर चले गये। आज उनको कही भी जगह नही मिल रही है। जो व्यक्ति सिद्धांत से समझौता नही करते उसका नाम है, प्रभुदयाल गेहलोत। पार्टी कैसे मजबूत हो, सहयोग, समर्पण। यह सब हमें गेहलोत साहब से सीखना चाहिए। श्री पटवारी ने कहा कि आने वाले सभी चुनाव में हम जनपद, सरपंच, जिला पंचायत के चुनाव हम आपसी सामंजस्य बनवा कर कार्यकर्ताओ को लड़वाएंगे। मैं सभी विधानसभा मे जाउंगा। और यही बाते सभी कांग्रेस कार्यक्रताओ के बीच रखकर सामंजस्य स्थापित करवाऊंगा।

हम सत्ता से बाहर है, यह हमारी कमज़ोरी है। हम कम रहेगें लेकिन दमदार रहेगे। झारखंड के चुनाव में भी राजस्थान के गुंडे बुलवाए। हम बिना लड़ाई लडकर सत्ता मे आ ही नही सकते। हर्ष भाई चुनाव हारे, जिंदगी नही हारे। मध्य प्रदेश के उपचुनाव मे हमने लिखकर दिया की यहा के कलेक्टर एसपी को हटाओ लेकिन निर्वाचन आयोग नही माना । अब प्रमाणित हो गया की उस विधान सभा के गांवो मे गोलिया बरसी ओर लोगो को भाजपा मे ही वोट दे यह कहकर डरा धमका रहे है। विजयपुर के जिस गांव में गोलियां चली और लोगो ने एक गुंडे का पकड़ा। वो गुंडा राजस्थान का हिस्ट्रीशीटर है। जिस पर राजस्थान में करीब चालीस से अधिक आपराधिक प्रकरण दर्ज है। भाजपा वाले सत्ता का दुरुपयोग कर चुनाव जीतना चाहते है। हम बाबासाहब के सिद्धांत को मानते है। मोदी जी कहते है कटोगें तो बंटोगे। लेकिन रामायण मे कही नफरत फैलाने की बात नही लिखी भाजपा ये नफरत फैला रही है। भाजपा भले कितने भी हथकंडे अपना ले, हम विजयपुर उप चुनाव पचास हजार वोटो से जीतेंगे। कांग्रेस एक जूट रहती तो लोकसभा मे दस सीट तो निकाल लेती। मैं स्व.प्रभुदयाल गेहलोत की बोली ही बोल रहा हूं। जल,जगंल व जमीन कांग्रेस पार्टी का सिद्धांत है। लेकिन सरकार इन चीजो से आदिवासियों को बेदखल कर रही है।

गेहलोतने दिया स्वागत भाषणक्र

इससे पूर्व कार्यक्रम के आयोजक पूर्व विधायक हर्ष विजय गेहलोत ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि हमें संगठन के लिए काम करना है। क्षेत्र मे जो विकास हुये वे सब कांग्रेस की देन है। आज भाजपा के राज मे क्या हो रहा है, सब जानते है। बाजना, रावटी, बेड़दा, सैलाना आदि क्षेत्र मे सिंचाई के लिये लाईट बहुत कम मिल रही है। हम किसानों के हित में आंदोलन करेंगे ।रावटी, बाजना व सैलाना के डीसी को घेरेगे। गेहलोत ने कहा कि कांग्रेस को मजबूत करो व सब लड़ाई छोडो। जीतू पटवारी को मुख्य मंत्री बनाना है। आपस के लड़ाई- झगड़े खूंटी पर टांग दे। पहले हम कभी हारे नही। रतलाम ग्रामीण, जावरा,सैलाना कांग्रेस की स्थाई सीटे थी। कांग्रेस के राज मे आठवी पास व्यक्ति पुलिस व मास्टर बन जाता था।2003 से आज तक नौकरी नही निकाली, घासलेट छीन लिया, शक्कर छीन ली। इस साल चार हजार करोड रुपए का बजट था। वो कहां गया ? हमारे लिए क्या? रोजगार है। हम काम के लिए कब तक बाहर जाते रहेंगे। कार्यक्रम कुक्षी विधायक हनी बघेल ने भी सम्बोधित करते हुए कहा कि ये संघर्ष का समय है। अभी चार साल है। हमें अभी से लड़ाई लड़नी है। नौजवान युवा साथी को कडीं मेहनत कर 28 मे सरकार बनाना है। धार जिले के कद्दावर कांग्रेस नेता बालमुकूंद सिंह गौतम ने कहा कि कांग्रेस कमजोर नही है। हम सबको एक होकर चुनाव लड़कर कांग्रेस की अगली सरकार बनानी है। कार्यक्रम को प्रताप सिंह ग्रेवाल ने भी संबंधित किया। इस अवसर पर पुर्व विधायक पारस सकलेचा, रतलाम शहर कांग्रेस अध्यक्ष महेंद्र कटारिया,पूर्व मंडी अध्यक्ष शेखर गेहलोत, हनी गेहलोत, वरिष्ठ नेता जगदीश कुमावत, नगर परिषद अध्यक्ष चैतन्य शुक्ला,पूर्व पार्षद रामप्रसाद चंदेल, महेंद्र शुक्ला, श्रीराम चोधरी, जितेंद्र सिंह राठौर, हेमंत कुमावत, बद्रीलाल काग, दिनेश सोनी, पप्पन पठान, फिरोज पठान, यास्मीन शैरानी, कारू लाल निनामा, रायसिंह भूरिया, मोहन डामर, प्रेम रानीसिंग, सालिया देवदा, रामजी निनामा, वागजी जरनिया, रंगजी भाई, सूरेश डिंडोर, जीवन लाल मईड़ा, छगन भगोरा गलिया राजापुरा आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन मंगलेश कसेरा ने किया व आभार ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष जगदीश पाटीदार ने माना।

अलीशा पंड्या ने कुश्ती में स्वर्ण पदक जीता

रतलाम।

गीता बबीता कहलाने वाली बहने ओर रतलाम के महावीर फौगाट कहलाने वाले पहलवान विनय पंड्या की बेटी अलीशा विनय पंड्या (अवंतिका पंड्या) जो इंदौर के होलकर कॉलेज में बीएससी कंप्यूटर साइंस में पढ़ती है वह कुश्ती खिलाड़ी है देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर की संभागीय कुश्ती प्रतियोगिता हुई जिसमें 53 किलो ग्राम वजन समूह में यह प्रतियोगिता इंदौर के ही महेश्वरी कॉलेज में 7 नवंबर को संपन्न हुई। जिसमें अलीशा विनय पंड्या (अवंतिका पंड्या) ने 53 कि.ग्रा. वजन समूह में स्वर्ण पदक जीता। राज्य स्तर प्रतियोगिता में चयन हुआ। अब देवी अहिल्या विश्वविद्यालय विद्यालय टीम का हिस्सा बनी जो राज्य स्तर प्रतियोगिता रीवा में खेली जाएगी।

इस उपलब्धि पर होलकर विश्वविद्यालय के खेल अधिकारी, उनके कोच विनय, उनके दादा एडवोकेट दिलीप सिंह पंड्या, जिला कुश्ती संघ के सचिव जय प्रकाश शर्मा, राम सिंह पहलवान, अमित जायसवाल, वीरेंद्र प्रताप सिंह, अश्विन जायसवाल, संजय पंड्या, अजय सिंह कुशवाह, छोटू पहलवान, स्पर्श दीपक पंड्या, वीपी भाई एवं मंडी व्यापारी तुलावटी परिवार व समस्त मंडी परिवार एवं नगर के समस्त रतलाम के स्टेडियम के खिलाड़ियों उनके ईष्ट मित्र व खेल संगठनों के पदाधिकारियों ने व सभी खेल प्रेमियों ने एवं उनके अखाड़े श्री बजरंग व्यायामशाला भक्तन की बावड़ी परिवार के उस्ताद खलीफाओं ओर रतलाम के समस्त अखाड़ों के पहलवानों ने उस्ताद खलीफाओं ने रतलाम की बेटी को रतलाम का नाम रोशन करने पर बधाई दी उसके उज्वल भविष्य की कामना की।

नेपाली संस्कृति परिषद द्वारा देव दिवाली पर गोरखा समाज की दीपावली मिलन समारोह का आयोजन

रतलाम। नेपाली संस्कृति परिषद द्वारा आज देव दिवाली के अवसर पर गोरखा समाज की दीपावली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष नरेंद्र श्रेष्ठ ने कहा कि समाज के लोगों को आपस में किसी न किसी बहाने मिलते रहना चाहिए ताकि विचारों का आदान-प्रदान हो सके और त्योहार हंसी-खुशी के साथ मिलजुल कर मनाया जा सके इस समारोह में गोरखा समाज के सदस्यों ने बड़ी संख्या में भाग लिया और देव दिवाली की शुभकामनाएं दी। समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया, जिसमें नेपाली लोकगीत और नृत्य प्रस्तुत किए गए। नरेंद्र श्रेष्ठ ने कहा, देव दिवाली हमारे समाज के लिए एक महत्वपूर्ण त्योहार है, जो हमें आपस में जोड़ता है और हमारी संस्कृति को मजबूत बनाता है। इस अवसर पर संस्था के सदस्यों ने एक दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं दीं और समाज के लिए सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन का संकल्प लिया।

मोहित का राज्य स्तरीय शालेय हॉकी प्रतियोगिता में चयन

रतलाम। कोच कृष्णा गोपाल ने बताया कि 68 वी राज्य स्तरीय शालेय 17 वर्षीय बालक में मोहित सतीश श्रीवास्तव का चयन हुआ। यह प्रतियोगिता 11 से 14 नवंबर तक भोपाल में आयोजित होगी। इस हर्ष के मौके पर रतलाम हॉकी एसोसिएशन के अध्यक्ष गोपाल मजावदीया, डीपी मालवीय, अभिषेक गुप्ता, कपिल छपरी, राजा लोट, प्रमोद सिंगला, शुभम पाल, उनके पिता सतीश श्रीवास्तव, विनय पंड्या पहलवान, बनी वेद रतलाम के सभी खेल अधिकारी और खेल प्रेमियों ने बधाई सभी ने शुभकामनाए दी।

राष्ट्र सेवा में चयनित होना समाज के लिए गौरव की बात : व्यास

रतलाम।

समाज के परिवार के सदस्य का राष्ट्र सेवा, देश सेवा में चयनित होता है तो यह हमारे लिए गौरव की बात है और समाज भी गौरवान्वित होता है उपरोक्त विचार श्रीमाली ब्राह्मण समाज सांस्कृतिक मंच द्वारा आयोजित सम्मान समारोह के दौरान श्रीमाली ब्राह्मण समाजजन महावीर व्यास के पुत्र दीपक व्यास के पुत्र गौतम व्यास का आर्मी में लेफ्टिनेंट के पद पर चयन होने पर श्री श्री श्रीमाली ब्राह्मण सांस्कृतिक मंच के सलाहकार एवं अखिल श्री श्रीमाली ब्राह्मण समाज नवयुवक संघ राष्ट्रीय संगठन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रकाश व्यास ने परिवार सम्मान के दौरान व्यक्त किये।

आपने बताया कि मध्य प्रदेश से सिर्फ दो ही छात्रों का चयन लेफ्टिनेंट के रूप में हुआ है तथा चेन्नई में एक वर्ष की गौतम की ट्रेनिंग होगी उसके बाद उन्हें स्थाई नियुक्त किया जाएगा। गौतम ने कहा कि मेरा प्रारंभ से ही लक्ष्य था और वह लक्ष्य मैंने हासिल किया इसलिए हमें जीवन में लक्ष्य को लेकर कार्य करना चाहिए तभी हमें सफलता मिलती है।कार्यक्रम को समाजजन महावीर व्यास, राहुल व्यास, अविनाश व्यास ने भी संबोधित किया। श्री श्रीमाली ब्राह्मण समाज सांस्कृतिक मंच के अध्यक्ष कमलनयन व्यास सचिव अंकित दवे, वरिष्ठ अभिभाषक विपिन त्रिवेदी, उपाध्यक्ष अनिमेष कोटिया, महेश दवे, दिलीप व्यास, अविनाश व्यास, राहुल व्यास, चेतन व्यास, उपेंद्र ओझा,तन्मय व्यास, विभोर कोटिया, मयंक दवे,अरुणेश भूपेंद्र व्यास,जुगल किशोर ओझा, दुर्गेश शर्मा, रितेश दवे, राखी दशोत्तर, हिना शर्मा आदि ने परिवार का स्वागत कर अपनी ओर से बधाई दी।

प्रभु प्रेमी संघ परम पूज्य स्वामी अवधेशानंदजी के जन्मोत्सव के साथ मनाएगा स्थापना दिवस

रतलाम।

जूनापीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी श्री अवधेशानंद गिरीजी महाराज द्वारा संस्थापित प्रभु प्रेमी संघ के तत्वावधान में जोधा बाग में 15 नवंबर को पाटोत्सव का भव्य आयोजन होगा।

इसमें स्वामीजी के जन्मोत्सव के साथ प्रभु प्रेमी संघ का स्थापना दिवस भी मनेगा। इस मौके पर प्रसिद्ध भजन गायक पं गोपालकृष्ण शर्मा अपनी सुमधुर प्रस्तुतियां देंगे। पाटोत्सव में महापौर प्रहलाद पटेल मुख्य अतिथि और नगर निगम अध्यक्ष मनीषा शर्मा विशेष अतिथि रहेंगे। उनकी उपस्थिति में सुबह 10-30 बजे पादूका पूजन होगा इसके बाद भजनों की प्रस्तुति होगी। संस्था अध्यक्ष हरीश सुरोलिया ने बताया कि आचार्य महामंडलेश्वर पूज्य स्वामी श्री अवधेशानंदगिरिजी महाराज जूना अखाडा के प्रथम पुरूष माने जाते है। जूना अखाडा भारत का प्राचीन एवं बडा समूह है, जिसके 10 लाख से अधिक नागागण को स्वामीजी ने गुरूदीक्षा प्रदान की है। स्वामीजी उनके पहले गुरू है। उनका मुख्य आश्रम कनखल हरिद्वार और अंबाला में स्थित है।

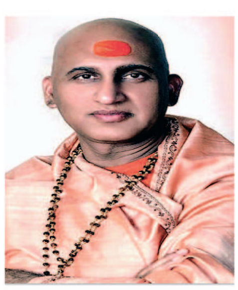

सनातन धर्म के दैदीत्यमान नक्षत्र माने जाने वाले पूज्य स्वामी जी अपने सन्यास जीवन के आरंभ में गहन आध्यात्मिक साधना की और फिर जूना अखाडा से जुडे। बाद में निरंतर उंचाइंयों को प्राप्त करते हुए 1998 में आचार्य एवं महामंडलेश्वर की उपाधि से सुशोभित हुए है। स्वामी जीवन ने 1992 में संपूर्ण आध्यात्मिक संस्था के रूप में प्रभु प्रेमी संघ की स्थापना की थी, जिसका उददेश्य भारत ही नहीं संपूर्ण संसार में सनातन धर्म का प्रचार-प्रसार करना है। संयोग से इसकी स्थापना कार्तिक मास की पूर्णिमा को हुई, इसलिए प्रतिवर्ष इस दिन को पाटोत्सव के रूप में मनाया जाता है। प्रभु प्रेमी संघ की शाखाएं भारत ही नहीं विदेशों में भी स्थापित है। पूज्य स्वामी जी के अनुयायी लाखों की संख्या में है, जो उनके बताए मार्ग पर चलने को तत्पर है।

पूज्य स्वामी अवधेशानंदजी को परम पूज्य दादा गुरू निवृत्तमान शंकराचार्य स्वामी श्री सत्यमित्रानंद गिरिजी महाराज ने भारत माता मंदिर हरिद्वार और उनके द्वारा संस्थापित समन्वय परिवार का भी उत्तराधिकारी बनाया है। स्वामी जी जूना अखाडा के आचार्य के साथ भारत माता मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष पद को सुशोभित कर रहे है और समन्वय परिवार के माध्मय से भी असंख्य गुरू भक्त उनके सानिध्य में आध्यात्मिक साधना कर रहे है। पूज्य स्वामीजी ने अनेकों श्रीमद भागवत कथा, श्री राम कथा श्रीमद देवी भागवत एवं श्री शिव पुराण कथा के माध्यम से अपने भक्तों को लाभान्वित किया है।

प्रभु प्रेमी संघ रतलाम के अध्यक्ष हरीश सुरोलिया, मनोहर पोरवाल, कैलाश व्यास, प्रमोद राघव, केबी व्यास, नारायणलाल शर्मा, नरेश झालानी, रामेश्वर खंडेलवाल, नारायणलाल शर्मा, जयेश झालानी, संजीव पाठक, नवीन भटट, भूषण व्यास, संजय सोनी, मुकेश सोनी, किर्ती व्यास, विरेन्द्र जोशी, आरआर दुबे, लल्लन सिंह ठाकुर विष्णुदत्त नागर एवं अरुण त्रिपाठी आदि ने गुरूभक्तों ने पाटोत्सव में अधिक से अधिक उपस्थित होने का आव्हान किया हैं।

कसरावद में हुआ दर्दनाक सड़क हादसा व्यक्ति की मौके पर हुई मौत

कसरावद इंदौर समाचार सेवकराम चौबे

कसरावद मैं हुआ बहुत भयानक सड़क हादसा जिसमें एक व्यक्ति की हुई मौके पर मौत मृतक व्यक्ति का नाम तिलोक पिता मांगीलाल यादव उम्र 30 वर्ष ग्राम सोनखेड़ी रायपुरा थाना मेनगांव का बताया जा रहा है मौके पर मौजूद लोगों द्वारा बताया गया व्यक्ति खेत में बुवाई के लिए बीज खरीदने आया था एक्सीडेंट जगह पर पूरी तरह मक्के के बीच बिखरे हुए दिखाई दे रहे थे वही मौके से अज्ञात वाहन फरार हो चुका था हरसिद्धि धाम निवासी हेमेंद्र ठाकुर फौजी द्वारा बताया गया कि कॉलेज से लगाकर सक्षम ढाबे तक कई एक्सीडेंट होते हैं यहां रोड पर वाहनों की कॉपी स्पीड रहती है जो अंधा मोड़ होने से यहां पर स्पीड ब्रेकर होना अति आवश्यक है यहां कहीं एक्सीडेंट हो चुके हैं जो एक्सीडेंट स्पॉट बन चुका है। एक्सीडेंट इतना भयानक था कि मृतक व्यक्ति का सर फट गया जहां उसकी मौके पर ही मौत हो गई तत्काल मौके से पुलिस एवं हंड्रेड डायल को सूचना दी गई कसरावद पुलिस पहुंची मौके पर जहां से मृत व्यक्ति का शव वाहन में रखकर कसरावद शासकीय अस्पताल पोस्टमार्टम रूम लाए जहां से शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों के सपोर्ट किया मर्ग कायम कर पुलिस मामले की जांच में जुटी।

देवउठनी एकादशी पर नगर में निकली भव्य शोभायात्रा

सोनकच्छः। जगत के पालनकर्ता भगवान श्री विष्णु चार माह की निंद्रा से उठकर जगत का कल्याण करने पाताल लोक से वापस पृथ्वी पर आते हैं जहां भगवान शिव उन्हें पुनः संसार का भार सौंपते हैं और आज ही दिन पुरे अंचल में मां तुलसी एवं भगवान शालिग्राम का विवाह भी कराया जाता आ रहा है। इसी तारतम्य में नगर में दो से तीन जगहों पर भव्य शोभायात्रा निकाली गई जिसमें महिलाऐं अपने सिर पर बारी बारी से मां तुलसी एवं भगवान शालिग्राम को रखकर चल रही थी वहीं बालिकाऐ व महिलाऐं बैंड के मधुर भजनों की धुनो पर नृत्य कर रही थी। डाक बंगला रोड स्थित मां अन्नपूर्णा मंदिर पुजारी शशिकांत रावल के घर पिछले तीन दिनों से विवाह कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे थे जिसमे गणेश पूजन, हल्दी मेंहदी व संगीत व अन्य कार्यक्रम उत्साह व उमंग के साथ किए गए। तत्पश्चात मंगलवार को नगर मे शोभायात्रा निकाली गई जो डाक बंगला रोड सोमवारिया मार्ग, चुंडी बाखल, चमन बाजार, एम.जी. रोड होते हुए कृषि उपज मंडी स्थित मां अन्नपूर्णा मंदिर में पहुची जहां महिलाओं ने मां तुलसी एवं भगवान शालिग्राम का पूजन कर बदाया गया। मंदिर में मां अन्नपूर्णा व भगवान श्री पूर्णेश्वर महादेव के समक्ष पंडित देवनारायण शर्मा द्वारा विधि-विधान पूर्वक तुलसी-शालिग्राम विवाह सम्पन्न करवाया गया। दुल्हन के रूप में मां तुलसी का कन्यादान का संगीता पति आशीष रावल तथा दुल्हे के रूप में भगवान शालिग्राम की ओर से माही पति सोनू ठाकुर को सोभाग्य प्राप्त हुआ। विवाह में शामिल अनेकों महिलाओं ने मां तुलसी व भगवान शालिग्राम की जय-जयकार करते हुए पुष्प वर्षा की। विवाह पश्चात उपस्थित सभी भक्तो को प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर चेतन अग्रवाल, अजय रावल, दीपक रावल, गौरव रावल, जगदीश यादव, महेंद्र बागवान सहित सैकड़ों महिलाऐं मौजूद थी।

बुज़ुर्गों का सम्मान ,आयुष्मान कार्ड बनना हुआ आसान

महेश्वर। आयुष्मान निरामय योजना के अंतर्गत श्रमिक कार्ड धारी एवं 70 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले बुजुर्गों के आयुष्मान कार्ड सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र महेश्वर ,मंडलेश्वर, एवं ग्रामीण क्षेत्र में उप स्वास्थ्य केंद्र स्तर पर पदस्थ सी एच ओ के द्वारा निशुल्क के बनाए जा रहे हैं। बीएमओ डॉक्टर अतुल गौड़ एवं बीपीएम एसएस चौहान ने विकासखंड के समुदाय से अपील की है कि ग्राम की आशा कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, पंचायत सचिव, रोजगार सहायक आदि से संपर्क कर आयुष्मान कार्ड बनाए जाने के संबंध में जानकारी प्राप्त करे। आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए आवश्यक दस्तावेज आधार कार्ड, समग्र आईडी और आधार कार्ड से लिंक मोबाइल नंबर साथ में ले जाकर हितग्राही लाभ ले सकते हैं। बीएमओ ने बताया कि आयुष्मान कार्ड के अंतर्गत एक वित्तीय वर्ष में रुपए 5 लाख तक की चिन्हित बीमारियों का चिन्हित अस्पतालों में निशुल्क उपचार किया जाता है। आयुष्मान मित्र कालू सिंह पटेल ने बताया कि 70 वर्ष की आयु पूर्ण कर लेने वाले सभी बुजुर्गों का आयुष्मान कार्ड बनाए जाने संबंधित पोर्टल शुरू हो गया है जिन हितग्राहियों के 2011 की सूची के अनुसार आयुष्मान कार्ड बने हैं और उन्होंने 70 वर्ष की उम्र पार कर ली है उनका कार्ड मान्य रहेगा। बी ई ई के एन शुक्ला, बीसीएम मीनाक्षी माहूले ने आयुष्मान कार्ड बनाए जाने के संबंध में प्रचार प्रसार करने हेतु प्रत्येक ग्राम की आशा, महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को ग्राम में होने वाले प्रत्येक भ्रमण एवं हाट बाजारों में तथा आशा कार्यकर्ता को शाम को ग्राम में स्थित मंदिर में लगे माइक के माध्यम से सूचना देकर जागरूक करने हेतु कहा गया है ।

आवेदन की अंतिम तिथि 15 नवंबर

युवाओं को शीर्ष कंपनियों में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने का अनूठा अवसर

खरगोन। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि 'प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना' युवाओं को भारत की शीर्ष कंपनियों में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने का अनूठा अवसर प्रदान करती है, जो उनके कौशल और रोजगार योग्यता को सशक्त बनाएगी।

योजना में 12 माह की इंटर्नशिप से युवाओं को उद्योग-उन्मुख प्रशिक्षण मिलेगा और भविष्य में रोज़गार के अवसर भी सुलभ होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने युवाओं से प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना का लाभ लेने की अपील की है। योजना में शामिल होने 15 नवम्बर तक आवेदन किये जा सकते है। 'प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना युवाओं को रोजगारपरक बनाने के लिये केन्द्रीय कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय की महत्त्वाकांक्षी योजना है। इस योजना का उद्देश्य युवाओं को भारत की शीर्ष 500 कंपनियों में इंटर्नशिप के अवसर प्रदान करना है, जिससे उन्हें वास्तविक कार्यानुभव प्राप्त हो सके और व्यावसायिक कौशल में वृद्धि हो।

योजना का उद्देश्य

योजना का मुख्य उद्देश्य युवाओं को व्यावसायिक वातावरण से परिचित करवाना है। इंटर्नशिप के दौरान उन्हें उद्योग-उन्मुख प्रशिक्षण, नवीनतम तकनीक और प्रक्रियाओं के माध्यम से ज्ञान अर्जित करने का अवसर मिलेगा। यह योजना युवाओं को न सिर्फ कार्यकुशल बनाएगी साथ ही उन्हें भविष्य में रोजगार के अवसर प्राप्त करने में भी सहायता करेगी।

पात्रता और लाभ

प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के तहत 21 से 24 वर्ष के युवा पात्र होंगे, जिनकी शैक्षणिक योग्यता 10वीं या उससे अधिक हो। चयनित युवाओं को इंटर्नशिप की अवधि में 05 हजार रुपये प्रतिमाह स्टाइपेण्ड और इंटर्नशिप पूर्ण होने पर एकमुश्त 06 हजार रुपये प्रदान किए जाएंगे। यह इंटर्नशिप कार्यक्रम 12 माह का होगा।

युवाओं को योजना का लाभ उठाने के लिए पंजीयन लिंक पर जाकर आवेदन करना होगा। आवेदन करने की अंतिम तिथि 15 नवंबर 2024 निर्धारित की गई है। युवा योजना संबंधी अधिक जानकारी के लिए टोल फ्री नंबर 1800116090 और पंजीयन में सहायता के लिये निकटतम शासकीय इंजीनियरिंग, पॉलीटेक्निक या आईटीआई से संपर्क कर सकते हैं।

मध्यप्रदेश के युवा अन्य राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में उपलब्ध इंटर्नशिप अवसरों के लिए भी आवेदन कर सकते हैं।

14 नवंबर को कलेक्टर करेंगे निमरानी का भ्रमण, औद्योगिक संगठन एवं उद्योगपतियों से करेंगे चर्चा

खरगोन। कलेक्टर श्री कर्मवीर शर्मा द्वारा 14 नवंबर को दोपहर 12 बजे निमरानी औद्योगिक क्षेत्र का भ्रमण कर औद्योगिक संगठन एवं उद्योगपतियों से चर्चा करेंगे। इस दौरान वे उनकी समस्याओं को सुनेंगे तथा आगामी नवीन निवेश/नवीन औद्योगिक इकाई स्थापित करने के संबंध में एवं वर्तमान में औद्योगिक इकाईयों की जो भी समस्याये हैं उस संबंध में चर्चा करेंगे। कलेक्टर श्री कर्मवीर शर्मा के दौरे के समय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कसरावद, महाप्रबंधक उद्योग, एम.पी. इण्डस्ट्रीयल डेवलपमेन्ट कार्पोरेशन, इण्डस्ट्रीयल हेल्थ एण्ड सेफ्टी विभाग, उर्जा विभाग, पुलिस विभाग, जल संसाधन विभाग, श्रम विभाग, रोजगार विभाग, फूड एण्ड ड्रग विभाग, प्रदूषण बोर्ड से संबंधित समस्त अधिकारी उपस्थित रहेंगे। जिससे उद्यमियों एवं निवेषकों की समस्या का त्वरित निराकरण किया जा सकें।

कसरावद में हुआ दर्दनाक सड़क हादसा व्यक्ति की मौके पर हुई मौत

कसरावद इंदौर समाचार सेवकराम चौबे । कसरावद मैं हुआ बहुत भयानक सड़क हादसा जिसमें एक व्यक्ति की हुई मौके पर मौत मृतक व्यक्ति का नाम तिलोक पिता मांगीलाल यादव उम्र 30 वर्ष ग्राम सोनखेड़ी रायपुरा थाना मेनगांव का बताया जा रहा है मौके पर मौजूद लोगों द्वारा बताया गया व्यक्ति खेत में बुवाई के लिए बीज खरीदने आया था एक्सीडेंट जगह पर पूरी तरह मक्के के बीच बिखरे हुए दिखाई दे रहे थे वही मौके से अज्ञात वाहन फरार हो चुका था हरसिद्धि धाम निवासी हेमेंद्र ठाकुर फौजी द्वारा बताया गया कि कॉलेज से लगाकर सक्षम ढाबे तक कई एक्सीडेंट होते हैं यहां रोड पर वाहनों की कॉपी स्पीड रहती है जो अंधा मोड़ होने से यहां पर स्पीड ब्रेकर होना अति आवश्यक है यहां कहीं एक्सीडेंट हो चुके हैं जो एक्सीडेंट स्पॉट बन चुका है। एक्सीडेंट इतना भयानक था कि मृतक व्यक्ति का सर फट गया जहां उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

सुपर 5000 योजना अंतर्गत पात्र छात्र-छात्राओं से आवेदन 31 मार्च 2025 तक आमंत्रित

खरगोन। म.प्र. भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल के अंतर्गत पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के पुत्र/पुत्रियों का माध्यमिक शिक्षा मण्डल से प्राप्त शैक्षणिक सत्र 2023-24 में कक्षा 10 वीं के प्रथम 5000 तथा कक्षा 12 वी की संकायवार प्रथम 5000 विद्यार्थियों की प्रावीण्य सूची में नाम सम्मिलित होने पर 25 हजार की प्रोत्साहन राशि प्रदाय करने के लिए आवेदन आमंत्रित किये जा रहे है। जिला श्रमपदाधिकारी ने बताया कि अधीनस्थ विद्यालयों में अध्यनरत पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के पुत्र/पुत्रियों जिनके नाम संलग्न प्रावीण्य सूची के प्रथम 5000 में है। उनके द्वारा निर्धारित संलग्न प्रपत्र में आवेदन संबंधित विद्यालय के प्राचार्य की अनुशंसा उपरांत श्रम पदाधिकारी कार्यालय में 31 मार्च 2025 तक प्रस्तुत कर सकते हैं।

कृषि विभाग ने किसानों को दी डीएपी के स्थान पर एनपीके का उपयोग करने की सलाह

खरगोन। किसान कल्याण तथा कृषि विभाग ने फसलीय पौधों के लिये एनपीके उर्वरक को डीएपी से ज्यादा उपयोगी बताते हुए जिले के किसानों को डीएपी के स्थान पर एनपीके उर्वरक का उपयोग करने की सलाह दी है।

उपसंचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास श्री एमएस सोलंकी ने बताया कि डीएपी उर्वरक के उपयोग से पौधों को केवल दो मुख्य पोषक तत्व नाइट्रोजन एवं फास्फोरस ही प्राप्त होते हैं, जबकि फसलीय पौधों के लिए नाइट्रोजन और फॉस्फोरस के साथ ही तीसरे पोषक तत्व पोटाश की भी आवश्यकता होती है और यह डीएपी में नहीं पाया जाता। एनपीके के इस्तेमाल से फसलीय पौधों में इन तीनों मुख्य तत्वों की पूर्ति की जा सकती है। श्री सोलंकी ने बताया कि किसान यदि डीएपी का उपयोग करते हैं तो उन्हें फसल में पोटाश की पूर्ति के लिए अलग से पोटाशयुक्त उर्वरक की आवश्यकता होगी। इससे किसानों को लागत का अतिरिक्त भार भी वहन करना पड़ता है। उप संचालक कृषि ने किसानों को एनपीके के उपयोग की सलाह देते हुये कहा कि इससे पौधों के लिए जरूरी तीनों मुख्य पोषक तत्वों की आपूर्ति की जा सकती है। उन्होंने डीएपी और एनपीके उर्वरक की गुणात्मक तुलना करते हुए बताया कि एनपीके 12:32:16 में नाइट्रोजन, फास्फोउरस एवं पोटाश के साथ-साथ द्वितीयक एवं सूक्ष्म पोषक तत्व जैसे कैल्शीयम, मैग्नीशीयम, सल्फर, आयरन, जिंक व एल्युमिनियम भी पाये जाते हैं, जबकि डीएपी में इन सभी द्वितीयक एवं सूक्ष्म पोषक तत्वों का अभाव रहता है। उप संचालक श्री सोलंकी ने बताया कि डीएपी पानी में पूर्ण रूप से घुलनशील नहीं होता, जबकि एनपीके पानी में पूरी तरह घुल जाता है। उन्होंने बताया कि डीएपी के उपयोग से मृदा का पीएच मान बढ़ जाता है अर्थात जहाँ डीएपी मृदा को क्षारीय बनाता है, वहीं एनपीके के इस्तेमाल से मृदा पर कोई भी विपरीत प्रभाव नहीं पड़ता।

14 नवंबर को रोजगार मेला

स्व-रोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेले का आयोजन

खरगोन। कलेक्टर श्री कर्मवीर शर्मा के मार्गदर्शन में जिले के युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने क उद्देश्य से 14 नवंबर को प्रातः 11 बजे से दोपहर 03 बजे तक प्रधानमंत्री एक्सीलेंस ऑफ कॉलेज पी.जी. कॉलेज, बिस्टान रोड, खरगोन में रोजगार मेला, स्व-रोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेलेका आयोजन किया जा रहा है। इस मेले में विभिन्न प्रकार की प्रतिष्ठित कंपनियों द्वारा रिक्त पदों पर भर्ती की जाएगी। स्वरोजगार के लिए ऋण प्रदाता शासकीय विभागों द्वारा भी युवाओं को जानकारी प्रदान की जावेगी। मेले में तकनीकी योग्यताधारी युवाओं के लिये भी कम्पनियों द्वारा भर्ती की जायेगी। जिला रोजगार अधिकारी श्रीमती प्रीतिबाला सस्ते ने बताया कि मेले में 8वीं से स्नातक, स्नातकोत्तर, आईटीआई उत्तीर्ण युवक जिनकी उम्र 18 से 30 वर्ष के है वे अपनी शैक्षणिक योग्यताओं की अंकसूचियां, रोजगार कार्यालय का पंजीयन (अनिवार्य), आधार कार्ड, जाति एवं मूल निवासी के प्रमाण पत्रों की छायाप्रतियां तथा अपने पासपोर्ट साइज के दो फोटो लेकर मेले में उपस्थित होकरलाभ उठा सकते हैं। अधिक जानकारी के लिये हेल्पलाइन नम्बर 07282-232787 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

16 नवंबर को झिरन्या में विशाल स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

एक ही छत के नीचे मिलेगी विषेषज्ञ चिकित्सकों की सेवाएं

खरगोन। इंदौर संभाग के कमिश्नर दीपक सिंह की पहल पर आगामी 16 नवंबर को झिरन्या में संभाग स्तरीय विशाल स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस शिविर में मेडिकल कॉलेज इंदौर एवं खण्डवा के 150 से अधिक वरिष्ठ एवं सभी बीमारियों के विशेषज्ञ चिकित्सक तथा प्रायवेट चिकित्सक अपनी सेवाएं देने झिरन्या आएंगे। कलेक्टर श्री कर्मवीर शर्मा के मार्गदर्शन में एकलव्य विद्यालय परिसर में इस शिविर के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा सभी आवश्यक तैयारियां की जा रही है।

कलेक्टर श्री शर्मा ने झिरन्या में मरीजों के पंजीयन काउंटर, दवा वितरण काउंटर, चिकित्सकों की बैठक व्यवस्था, पैथोलॉजी जांच की व्यवस्था, पार्किंग व्यवस्था, पेयजल व्यवस्था, तथा शौचालय एवं स्वच्छता के लिए सभी आवश्यक तैयारी करने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं।

कलेक्टर श्री शर्मा ने कहा कि यह झिरन्या क्षेत्र के लिए सौभाग्य का विषय है कि एक ही छत के नीचे सभी बीमारियों के विशेषज्ञ चिकित्सक 16 नवंबर को झिरन्या पहुंच रहे हैं। अतः इस क्षेत्र की पंचायतों के सरपंच एवं अन्य जनप्रतिनिधियों को प्रयास करना होगा कि इस शिविर में अपने क्षेत्र के अधिक से अधिक लोगों को लेकर आए और उनकी स्वास्थ्य जांच करवाएं। इस शिविर में साधारण बुखार से लेकर ह्दय रोग, किडनी, मस्तिष्क, लीवर, केंसर, मानसिक रोग, सिकलसेल एनीमिया सहित सभी बीमारियों के विशेषज्ञ चिकित्सक मरीजों की जांच करेंगे। शिविर में महिलाओं की जांच के लिए विशेष व्यवस्था रहेगी। शिविर में सोनोग्राफी, एक्सरे सहित सभी तरह की पैथोलॉजी जांच निःशुल्क की जाएगी। इस शिविर में आयुष डॉक्टर भी आ रहे हैं। इस शिविर में बच्चों, बुजुर्गों, महिलाओं एवं सभी आयु के लोगों की स्वास्थ्य जांच कर उपचार किया जाएगा और निःशुल्क दवाईयां दी जाएगी।

कलेक्टर श्री शर्मा ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि 16 नवंबर को झिरन्या शिविर में छात्रावासों में रहने वाले सभी बच्चों का इस शिविर में स्वास्थ्य परीक्षण अनिवार्य रूप से कराएं। शिविर में किशोरी बालिकाओं की भी जांच की जाएगी। अतः कन्या छात्रावास की छात्राओं को भी शिविर में लेकर आना है। इसके साथ ही शिविर में मेडिकल बोर्ड भी बैठेगा जो दिव्यांगजनों के प्रमाण पत्र तैयार करेगा। इस शिविर के दौरान रक्तदान शिविर भी लगाया जाएगा।

झिरन्या के इस शिविर में जांच एवं उपचार के लिए आने वाले मरीजों का पंजीयन किया जाएगा। पंजीयन के लिए एवं दवा वितरण के लिए अलग-अलग काउंटर बनाए जाएंगे। शिविर में आने वाले लोगों से कहा गया है कि वे अपने साथ में अपना मतदाता परिचय पत्र, आधार कार्ड और समग्र आईडी अवश्य लेकर आएं। इस शिविर में आयुष्मान कार्ड की केवायसी की सुविधा भी उपलब्ध करायी जाएगी।

पौने चार लाख उपभोक्ताओं के यहां स्मार्ट मीटर लगा कर इंदौर फिर पहले स्थान पर

इंदौर। मध्य प्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा स्मार्ट मीटर लगाने का कार्य में अब तक इंदौर शहर में पौने चार लाख स्मार्ट मीटर कनेक्शन लगा कर अन्य शहरों की तुलना में एक रिकॉर्ड स्थापित किया है।जबकि इंदौर क्षेत्र में 8.25 लाख स्मार्ट मीटर स्थापित किए जा चुके है।

डिजिटल इंडिया की दिशा में बढ़ते हुए मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा इंदौर, उज्जैन रतलाम जैसे बड़े शहरों में स्मार्टमीटरीकरण कार्य तेजी से जारी हैं। कंपनी ने इंदौर ने प्रदेश में सबसे ज्यादा सवा आठ लाख स्मार्ट मीटर लगा दिए हैं। उल्लेखनीय है कि इन स्मार्ट मीटर से उपभोक्ताओं को कई नई सुविधाएं मिल रही है एक ओर जहां मानव रहित स्पष्ट रीडिंग आटोमेटेड आ रही है, वहीं बिलिंग संबंधी त्रुटियां भी खत्म हो गई है। ये स्मार्ट मीटर कंपनी के ऊर्जस एप पर लाइव डाटा भी दिखाते है, इससे उपभोक्ता संतुष्टि में बढ़ोत्तरी हो रही हैं। पश्चिम क्षेत्र कंपनी में लगे आठ लाख पंद्रह हजार मीटरों में सबसे ज्यादा 3.64 लाख मीटर इंदौर शहर में स्थापित हो चुके हैं। उपलब्ध आंकड़ों को देखा जाय तो उज्जैन शहर में 81 हजार, रतलाम शहर में 77 हजार, देवास शहर में 47 हजार, खरगोन शहर में 44 हजार, नीमच शहर में 23 हजार, मंदसौर शहर में 18 हजार, महू शहर में 15050 स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं। इसके अलावा अन्य जिला मुख्यालय झाबुआ, बड़वानी, आगर, शाजापुर आदि भी प्राथमिकता से अत्याधुनिक स्मार्ट मीटर निःशुल्क रूप से लगाए जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि इंदौर शहर पीएम सूर्यघर योजना लागू होने के बाद से सौर ऊर्जा उत्पादन में म प्र के अन्य शहरों को पछाड़ कर पहले स्थान पर बना हुआ है . इंदौर महानगर क्षेत्र में करीब 12000 स्थानों पर सौर ऊर्जा उत्पादन हो रहा है, इसकी कुल क्षमता 100 मैगावाट के पार हैं।

लेखक स्वतंत्र पत्रकार है

श्याम यादव , 22बी, संचार नगर एक्सटेंशन 452016

धर्म में लगा धन ही शुभलक्ष्मी धन है

इंदौर। शास्त्र अनुसार जो धन धर्म के लिए लगता है वो शुभलक्ष्मी है। लक्ष्मी वान बनना हर कोई चाहता है पर शुभलक्ष्मी वान होना दुर्लभ है। शुभलक्ष्मी जब आती है तो शुभकार्य करवाती है , भगवान की तरफ आकर्षित करवाएगी। किए जाने वाले यज्ञ, अनुष्ठान, गौसेवा, पुण्य वर्धन के साथ यश कीर्ति बढ़ाएगी, मां अहिल्या देवी ने पूरे भारत देश के अनेकों मंदिरो का जीर्णोद्धार किया था खुशी की बात है कि अहिल्या मां की नगरी के नागरिक उसी परम्परा को निभा रहे हे ये विचार रामस्नेही संत श्री मुमुक्षु रामजी दिल्ली वालो ने सेवा समिति माहेश्वरी सोशल ग्रुप द्वारा हनुमानजी मंदिर छत्रीबाग के गर्भगृह के नवीनीकरण कार्य पूर्ण होने पर कार्यक्रम में व्यक्त किए। सेवा समिति माहेश्वरी सोशल ग्रुप के राजेन्द्र असावा ने बताया कि इस अवसर पर संत श्री का स्वागत अभिजीत झवर, नवीन मिश्रा ने किया संकल्प पूर्ण होने की विधि प.संदीप पाराशर ने करवाई। साथ ही हनुमान चालीसा का पाठ कर हनुमानजी की आरती कर प्रसाद वितरण किया इस अवसर पर धर्मेन्द्र आगीवाल, पारस बाहेती, गोपालदास राठी, गोपालदास बूब, घनश्याम पोरवाल सहित अनेकों भक्त उपस्थित थे संचालन अभिजीत झवर ने किया आभार नवीन मिश्रा ने माना।

तीन गुप्ता देवियों ने अध्ययनरत विद्यार्थियों की आहार सुविधा के लिए खोल दिया थ्री मॉम्स किचन

इंदौर। जवाहर डोसी पीयूष हमारे समाज में कुछेक ऐसे विलक्षण व्यक्तित्व भी विद्यमान है जो दूसरों के कष्ट को महसूस कर उनको सहन करने वालों की पीड़ा को दृष्टिगत रहकर उसका समाधान निकालने की कोशिश में स्वयं को लगा देते हैं।अक्सर हम सभी देखते-सुनते हैं कि अपने घर-परिवार को छोड़कर जो विद्यार्थी बाहर पढ़ने के लिए जाते हैं, उनको शुद्ध सात्विक आहार मिलने की राह में बहुत रोड़े अटके हुए रहते हैं और वे सही खाद्य पदार्थ पाने की जुगाड़ में अपना काफी समय, धन और श्रम बर्बाद करते हैं।ऐसी बातें ध्यान में आने पर इंदौर नगर की तीन दिव्य देवियों ने विद्यार्थियों के लिए एक किचन ही खोल दिया जिसका नाम रखा 3 माम्स किचन।यानी एक तरह से यह मातृ स्वरूप तीनों देवियां प्रत्यक्षतः चाहे ना सही,परोक्ष रूप से उनकी माता के दायित्व का निर्वहन पूर्ण निष्ठा एवं समर्पण भाव से करते हुए इस पहल की सृष्टा हैं।भले ही इन बच्चों का मातृत्व सुख बनाम पीड़ा इन्होंने अनुभूत नहीं की हो किंतु उन बच्चों के प्रति मातृत्व का प्रतिरूप ममतामयी भाव उनको इस काम के प्रति प्रेरित कर गया कि बच्चों को अपन किस तरह से ऐसी भोजन सुविधा दे सकें ताकि उनका मन घर जैसा खाना प्राप्त कर परम तृप्ति का अनुभव कर सके और अध्ययन में तन्मयता से लगा रहे।ये तीनों देवियां एक तरह से उनके लिए मातृ स्वरुपा बनकर उनके लिए सुस्वादु खाना उपलब्ध करवाने की दशा और दिशा में तत्काल आगे कदम बढ़ा चुकीं।आने वाले 31 दिसंबर को इस व्यवसाय को 5 वर्ष पूर्ण हो चुके होंगे। मैं और मेरे परिवार ने इस प्रतिष्ठान का भोजन ग्रहण किया तो निश्चित ही एक बहुत ही अच्छी अनुभूति हुई और मैंने उनसे वार्तालाप इस बारे में प्रारंभ किया।सबसे पहले तो प्रतिष्ठान में प्रवेश पाते ही फिल्म संगीत के प्रति उनकी अभिरुचि देखकर बहुत ही गद् गद् और प्रभावित हो गया। सबसे पहले मुझे स्वर साम्राज्ञी,कोकिल कंठी लता मंगेशकर,बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी किशोर कुमार और सदाबहार

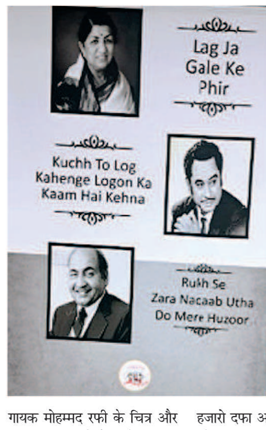

गायक मोहम्मद रफी के चित्र और साथ ही उन चित्रों के नीचे-लग जा गले,कुछ तो लोग कहेंगे लोगों का काम है कहना,रुख से जरा नकाब हटा दो मेरे हुजूर- देखकर मनमयूर नाच उठा।आगे बढ़ने पर क्रमशः मुकेश-एक प्यार का नगमा है मौजों की रवानी है,आशा भोंसले-चुरा लिया है तुमने जो दिल को, मेरी आवाज ही पहचान है गर याद रहे भूपेंद्र सिंह दिखाई दिए।रूपकुमार राठौड़-ऐ जाते हुए लम्हों जरा ठहरो,उदित नारायण-ताल से ताल मिला,श्रेया घोषाल-बेपनाह प्यार है आजा,शान-जब तक तेरे नैना मेरे नैनों से लागे रहे,सोनू निगम-हर घड़ी बदल रही है रूप जिंदगी,सुनिधि चौहान-तू तो एवई एवई एवई लूट गया,अरिजीत सिंह- मन मस्त मगन, मन मस्त मगन बस तेरा नाम दोहराए,पलक मुछाल- देखा हजारो दफा आपको,प्रतीक कुहाड-खो गए हम कहां,नीति मोहन-तूने मारी एंट्रीया रे दिल में बजी घंटियां रे- देख पढ़ कर मन बाग-बाग, गार्डन-गार्डन हो गया।

यह सब देख-पढ़कर आहार लेते वक्त मैंने अपने परिचय में यह कहा कि मेरे पास ढाई हजार एचएमपी की ओरिजिनल कैसेट्स हैं,तत्पश्चात वहां पर स्वर लहरियां गूंज उठी और मन- मस्तिष्क में असीम सुख-शांति का प्रवाह हुआ। माही एक दीवार पर आंग्ल

(अंग्रेजी)भाषा के बड़े (कैपिटल) में कुछ विशिष्ट स्लोगन दृष्टव्य हुए-

Music is what feeling sound like, Your heart is just a beatbo& for the song of your life,

*Music is the strongest form of magic,

*When word fails music speaks,

*If music be the food of love play on.

हम जब पहुंचे तो भाई संजय गुप्ता एवं उनकी धर्मपत्नी सीमा गुप्ता भाभी व्यवसाय संभालते हुए काउंटर पर बैठे थे।तीन देवियां जो इस व्यवसाय की जन्मदाता रहीं- सीमा गुप्ता,अजीता गुप्ता भाभी,प्रमिला गुप्ता चाची और यह पूरा संयुक्त परिवार है।परिवार में छह लड़कियां हैं।चार सीए हैं बेंगलुरु में।एक बेटी सॉफ्टवेयर इंजीनियर अमेरिका शिकागो में।इनको इंदौर में रहते125 साल हो गए।विशुद्ध भारतीय खाना सहज- सुलभ करवाने के प्रयास में रत।उज्जैन में खंडेलवाल मेडिकल वालों के यहां उनकी भुआ। पापा के चार भाई व चार बहन।पुत्री प्रियंका गुप्ता सीए क्लियरटच बेंगलुरु में,बड़े भैया की लड़की ईशा गुप्ता गोल्डमैन बेंगलुरु में,गोरीशा गुप्ता ईव्हाय बेंगलुरु में सीए,पल्लवी गुप्ता सीए बेंगलुरु में और पलक गुप्ता।चारों एक साथ एक ही फ्लैट में रहते हैं।परिवार से सबका नई पीढ़ी का जुड़ाव है।यह सब लिखने का अभिप्राय यही है कि इतने सुशिक्षित परिवार में भी बच्चों की आहार समस्या दूर करने के लिए इस तरह का एक किचन आबाद किया गया है,यह बहुत ही उल्लेखनीय,समयानुकूल,प्रेरक कदम है जिसे यहां पर भोजन ग्रहण करने वाले विद्यार्थ ता- उम्र विस्मृत ना कर सकेंगे।

शराब का अवैध परिवहन करते दो आरोपी पकड़ाए

57 लीटर शराब सहित वेगनार कार जप्त

इन्दौर (मनीष शर्मा)। अवैध तरिके से शराब का परिवहन करते दो आरोपियों को पुलिस ने 57 लीटर अंग्रेजी शराब के साथ गिरफ्तार किया, पकडे गए आरोपियों का पुलिस रिमांड प्राप्त कर शराब लाने ले, जाने एवं वाहन मालिक की जानकारी प्राप्त की जा रही है।

विभाग से मिली जानकारी के अनुसार

पुलिस थाना तिलक नगर ने 11 नवम्बर को मुखबिर की सूचना पर नगर निगम पानी की टंकी स्कीम नंबर 140 के पास से देवेन्द पिता

दिलीप सिंह सैंधव उम्र 30 साल निवासी पटेल मोहल्ला चापड़ा थाना बागली जिला देवास एवं धर्मेन्द्र पिता कैलाश सैंधव उम्र 31 साल निवासी नेमावर रोड बड़ के पास चापड़ा जिला देवास के कब्जे से कुल 76 बोटल अंग्रेजी शराब (कुल 57 बल्क लीटर कीमती करीबन 85 हजार) एवं एक वेगनर कार जप्त कर धारा 34(2) आबकारी एक्ट का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया आरोपी गणों से शराब लाने ले जाने एवं विक्रय करने के संबंध में पुलिस रिमांड प्राप्त कर जानकारी प्राप्त की जा रही है, वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश एवं थाना प्रभारी मनीष लोधा के मार्गदर्शन में तिलक नगर थाना टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही ।

दाउदी बोहरा समाज की वरिष्ठ श्रीमती अमीना बाई सेठजी वाला का इंतेकाल

इंदौर। दाउदी बोहरा समाज के वरिष्ठ समाजसेवी एवं अंजुमने सैफी दाऊदी बोहरा जमात सैफी नगर के वाइस प्रेसिडेंट शेख ताहेर भाई सेठजी वाला व शेख जुज़र भाई सेठजी वाला की मां साहेबा व कांग्रेस नेता मज़हर हुसैन सेठजी वाला की काकी व शेख तैय्यब अली शकरूवाला एवं शेख शब्बीर मालूकमरुद्दीन वाला की सासूमां वरिष्ठ श्रीमती अमीना बाई सेठजी वाला का 95 वर्ष की आयु में इंतेकाल हो गया है। समाज की जनसंपर्क समिति इंदौर के मीडिया प्रभारी बुरहानुद्दीन शकरुवाला ने बताया कि उन्हें इमली बाजार स्थित नज़मी बाग दाऊदी बोहरा कब्रिस्तान में सुपुर्द खाक किया गया। जनाजे में बड़ी संख्या में समाज के वरिष्ठजन एवं समाजवासी शामिल हुए। शेख खुजेमा पेटीवाला, युनुस सलीम, बुरहानुद्दीन शकरुवाला, फिरोज सायकल वाला, इकबाल चप्पु, तैय्यब अली मालक, जौहर मानपुर वाला, ताहेर रतलाम वाला सहित समाज के वरिष्ठजनों ने गहरा दुख व्यक्त किया है।

सायबर अपराध एक गंभीर समस्या है सतर्कता एवं जागरूकता जरूरी

Black Ribbon Initiative सहयोग अभियान के तहत 721वीं कार्यशाला संपन्न

विशेष पुलिस महानिदेशक डॉ. वरूण कपूर द्वारा Black Ribbon Initiative ÷सहयोग÷ अभियान के तहत मध्य प्रदेश कम्प्यूटर टेलीकॉम एसोसियेशन, इंदौर के लिये ÷सायबर सुरक्षा एवं जागरूकता÷ विषय पर जाल सभागृह, इंदौर में 721वीं कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें एसोसियेशन के 118 सदस्यों एवं 9 पदाधिकारियों ने भाग लिया । कार्यशाला में मध्य प्रदेश कम्प्यूटर टेलीकॉम एसोसियेशन पूर्व अध्यक्ष श्री जगदीश मंत्री, पूर्व अध्यक्ष श्री सुमित गुप्ता, पूर्व अध्यक्ष राघवेन्द्र त्रिपाठी, ब्रांच हेड जेब्रोनिक श्री धनपत पुगलिया, अध्यक्ष श्री राकेश

डागा, सचिव नीरज मित्तल, वाईस प्रेसिडेंट श्री राजीव बजाज, सह सचिव श्री प्रियव्रत शाह, कोषाध्यक्ष श्री पीयूष जैन एवं कार्यकारी सदस्य श्री अर्पित जैन, श्री गुंजन कोठारी, श्री विवेक जैन व श्री विजय मालविया विशेष रूप से उपस्थित रहे । मध्य प्रदेश कम्प्यूटर टेलीकॉम एसोसियेशन के अध्यक्ष श्री राकेश डागा ने डॉ. वूरूण कपूर का स्वागत किया तथा एसोसियेशन के पूर्व अध्यक्ष श्री जगदीश मंत्री ने प्लांट एवं पूर्व अध्यक्ष श्री सुमित गुप्ता ने पुष्पगुच्छ भेट कर डॉ. वरूण कपूर का स्वागत किया गया । कार्यशाला को संबोधित करते हुए डॉ. वरूण कपूर, विशेष पुलिस महानिदेशक द्वारा सायबर अपराध के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई व बताया कि सायबर अपराधों में फिशिंग ऑनलाईन धोखाधड़ी फर्जी ईमेल, फर्जी वेबसाईट बनाकर, फर्जी लिंक भेजकर, झूठे लुभावने ऑफर देकर की जाती है । सायबर अपराधी सोशल मीडिया जैसे फैसबुक, एक्स, इंस्टाग्राम पर आपके द्वारा दी गई जानकारी का उपयोग धोखाधड़ी में करते हैं । कार्यशाला के अंत में मध्य प्रदेश कम्प्यूटर टेलीकॉम ऐसासियेशन के पूर्व अध्यक्ष राघवेन्द्र त्रिपाठी ने प्रमाण पत्र एवं ब्रांच हेड जेब्रोनिक श्री धनपत पुगलिया ने मोमेंटो डॉ. वरूण कपूर को भेंट किया गया । कार्यशाला के सफल संचालन में सहा. सेनानी श्रीमती नीति दण्डोतिया व उनकी टीम के सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा ।

खर्चीले और भ्रामक विज्ञापन भी उपभोक्ता शोषण का कारण हैं

अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के मालवा प्रान्त द्वारा स्वर्ण जयंती वर्ष का समापन समारोह दिनांक 10 नवम्बर को आयोजित किया गया । इन्दौर स्थित स्त्रस्द्धङ्गस्र के सभागृह में सुश्री पूजा सिंह द्वारा सारगर्भित स्वर्ण जयंती वर्ष गीत प्रस्तुत किया गया । मालवा प्रान्त अध्यक्ष श्रीमती दीपलक्ष्मी धामणकर ने संगठन के उद्देश्य एवं कार्य प्रणाली प्रस्तुत किए । प्रथम वक्ता रोहित खंडेलवाल ने कहा कि - लागत आधारित मूल्य नीति ही वर्तमान समय की आवश्यकता है । अधिकतम खुदरा मूल्य निश्चित करने के लिए कोई नीति लागू नहीं की गई है, जिसके कारण प्रत्येक वस्तु अनियंत्रित मूल्य पर उपलब्ध होती है । अन्य देशों में स्पष्ट मूल्य नीति होने के कारण भारत जैसी समस्याएं नहीं हैं । उत्पादन की लागत समान होने पर भी कम्पनी के अनुसार बिक्री मूल्य अलग- अलग हैं । उत्पादन के बाद एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाना और कर्मचारियों के वेतन जैसे खर्चों का बोझ उपभोक्ता पर नहीं होना चाहिए । खर्चीले और भ्रामक विज्ञापन भी उपभोक्ता शोषण का कारण हैं ग्राहक पंचायत के राष्ट्रीय संगठन मंत्री दिनकर सबनीस ने ग्राहक के संप्रभु बनने की यात्रा पर प्रकाश डाला । आदरणीय दत्तोपंत ठेंगड़ी एक आदर्श व्यक्तित्व हैं, जिनके विचारों से ग्राहक पंचायत का स्वरूप फलीभूत हुआ । निश्चित ही सम्पूर्ण अर्थव्यवस्था का केन्द्र ग्राहक है । सामान्य वर्ग को उचित गुणवत्ता वाले उत्पाद उचित मूल्य पर उपलब्ध कराना हैं । मुख्य अतिथि दिल्ली स्कूल ऑफ़ इकोनॉमिक्स के प्राध्यापक एवं स्वदेशी जागरण मंच के सह संयोजक अश्वनी महाजन ने देश की समृद्ध अर्थव्यवस्था में ग्राहकों की भूमिका पर विचार व्यक्त किए । स्वर्ण जयंती समिति के मालवा प्रान्त अध्यक्ष न्यायाधीश डॉ. अनिल पारे ने आभार व्यक्त किया। सुश्री प्रपन्ना शर्मा द्वारा सुमधुर वन्दे मातरम गीत प्रस्तुत किया गया । इन्दौर महानगर सहसचिव डॉ. शशिकला चौधरी ने मंच संचालन किया ।

देव उठनी ग्यारस पर श्री पद्मवंशीय मारवाड़ी राठौर समाज का 11 जोड़ों का सामूहिक विवाह संपन्न

इन्दौर। ट्रस्ट के पूर्व अध्यक्ष श्री राजकुमार राठौर ने बताया कि सभी जोड़े विभिन्न प्रांतों से आए हैं 7 सभी वर-वधू पक्ष से 21-21 हजार रूपये लिये गये और उतने ही रूपये का गृहस्थी सामान उन्हें दे दिया गया वर वधू का चल समारोह कैलाशमार्ग से होता हुआ धानमंडी, मल्हारगंज तेलीबाखल होते हुए वापस राठौर मांगलिक भवन पर समापन हुआ जहॉं पर अध्यक्ष टीकमचंद के साथ राजू भाई, घनश्यामजी, लक्ष्मीनारायणजी, महेशजी, मोहनलालजी, संतोषजी, हरिकिरणजी, पवनजी के साथ समस्त कार्यकारिणी ने पूरे सामूहिक विवाह को गरिमामयी तरीके से संपन्न करवाया

स्टार इंडिया द्वारा इंडियन एक्सीलेंस अवॉर्ड मिस एमपी मिसेज एमपी 24 का आयोजन

इंदौर। स्टार इंडिया द्वारा आयोजित इंडियन एक्सीलेंस अवॉर्ड मिस एमपी मिसेज एमपी 2024 का सफलता पूर्वक आयोजन अमर विलास इंदौर में आयोजित किया गया। जिसमें भारत के प्रतिभा वाले प्रतिभागी यों को इंडियन एक्सीलेंस अवार्ड से नवाजा गया जिन्होंने अपने जीवन में लक्ष्य प्राप्त किया है। भिलाई सिटी छत्तीसगढ़ की प्रभा भूरे जो पैरों से विकलांग है सामाजिक कार्य कर रही है दिल्ली से आई थी। मेकअप आर्टिस्ट पायल गुप्ता, पूजा, प्रिया को सेलिब्रिटी गेस्ट जिनको बॉलीवुड एक्टर कबीर

सिंह द्वारा इंडियन एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित किया गया। अलीगढ़ उत्तर प्रदेश से ड्रेस डिजाइनर सुमित मोहिना, टीकमगढ़ मध्य प्रदेश से शो टॉपर युसूफ नवाब , ग्रुमर क्रांति सोनी को सेलिब्रिटी गेस्ट बॉलीवुड एक्टर कबीर सिंह द्वारा सम्मानित किया गया ।जज थे बॉलीवुड एक्टर कबीर सिंह ,एकाग्र शर्मा कपिल शर्मा शो फेम तथा लेखक योगिता जोशी । फर्स्ट रनर अप 2023 मिसेज इंडिया, एंकर नीतू गर्ग , डॉक्टर नम्रता मालपानी सीईओ मानसी श्रीवास मिस इंडिया विनर 2023 स्टार इंडिया, इसके बाद मिस एमपी विनर 2024 दीप्ति राय इंदौर मध्य प्रदेश फर्स्ट रनर अप आरोही राजपूत रतला मध्य प्रदेश सेकंड प्रजापति उमरिया मध्य प्रदेश मिसेज एमपी विनर 2024 उषा सिसोदिया इंदौर मध्य प्रदेश फर्स्ट रनर अप छाया गोस्वामी इंदौर मध्य प्रदेश सेकंड रनर का मुस्कान सचदेव शो किया गया। इन सभी को सम्मानित किया गया। डायरेक्टर उषा मकवाना मिसेज इंडिया सेकंड रनर अप 2022 थी।विशेष अतिथि के रूप मे मध्य प्रदेश की पहली महिला सैक्सोफोन प्लेयर एडवोकेट मनीषा यादव उपस्थित थीं जिन्होंने सैक्सोफोन पर प्रस्तुति दी।

पश्चिम मप्र में रूफ टॉप सोलर नेट मीटर से बिजली उत्पादन अब 20800 स्थानों पर

इंदौर। पश्चिम मप्र में आम लोगों, मौजूदा बिजली उपभोक्ताओं की सौर ऊर्जा को लेकर रूचि में सतत बढ़ोत्तरी देखने को मिल रही है। रूफ टॉप सोलर नेट मीटर योजना के तहत अब तक मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के कार्यक्षेत्र मालवा निमाड़ अंचल में 20800 उपभोक्ता जुड़े हैं। सभी स्थानों के उपभोक्ताओं को बिजली बिल में काफी रियायत मिल रही हैं, लोगों के बढ़ती रूचि के कारण हरियाली संरक्षण एवं प्रदूषण से मुक्ति की भावना का भी संचार हो रहा हैं। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर की प्रबंध निदेशक सुश्री रजनी सिंह ने बताया कि इसी वर्ष प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के प्रारंभ के बाद रूफ टॉप सोलर मीटर लगवाने वालों की संख्या में तेजी दर्ज हुई हैं। इंदौर महानगर के साथ ही उज्जैन, देवास, रतलाम जैसे अपेक्षाकृत बड़े शहरों में सौर ऊर्जा के प्रति रूझान में सतत बढ़ोत्तरी देखी गई है। इसी कारण फरवरी से नवंबर माह के दूसरे सप्ताह तक करीब सात हजार उपभोक्ता इस योजना से जुड़े हैं। इन सभी के घर, परिसर, छतों पर पैनल्स लग चुकी है, इनसे उत्पादित ऊर्जा की विधिवत रीडिंग, बिलिंग भी जारी है।

रॉकस्टार मेरे जीवन का महत्वपूर्ण मोड़ था

नरगिस फाखरी ने अपने करियर में कई यादगार भूमिकाएँ निभाई हैं, लेकिन फिल्म रॉकस्टार से बॉलीवुड में उनकी शुरुआत वास्तव में उल्लेखनीय है। फिल्म में नरगिस ने हीर नाम की एक बेबाक महिला की भूमिका में अपनी जीवंत भावना का प्रदर्शन किया और इसमें कोई संदेह नहीं है कि फिल्म में उनका प्रभाव बहुत अधिक था। रॉकस्टार ने न केवल उनकी शुरुआत की, बल्कि उन्हें इंडस्ट्री में प्रसिद्धि और पहचान भी दिलाई।जैसा कि नरगिस ने फिल्म की 13वीं वर्षगांठ मनाई है, उन्होंने साझा किया, रॉकस्टार मेरे जीवन में एक महत्वपूर्ण मोड़ था, और प्री-प्रोडक्शन के साथ, शूटिंग के दौरान और फिल्म की रिलीज के बाद के अनुभव सभी प्रभावशाली अनुभव थे जिन्होंने मेरे दिल और आत्मा पर अमिट छाप छोड़ दिया।

बर्थडे गर्ल पश्मीना रोशन की फैशन फाइल्स

जैसे ही पश्मीना रोशन अपना जन्मदिन मना रही हैं, हम उनकी शानदार फैशन सेंस को देखकर मंत्रमुग्ध हैं। अपनी पहली फिल्म ÷इश्क विश्क रिबाउंड÷ के साथ भारतीय सिनेमा में अपनी छाप छोड़ने वाली इस युवा अभिनेत्री का स्टाइल गेम भी उतना ही प्रभावशाली है।

बोल्ड और ब्यूटीफुल से लेकर एलिगेंट और चार्मिंग तक, पश्मीना के फैशन चुनाव हमेशा हमें मोहित कर देते हैं। यहां उनके पांच शानदार लुक्स हैं जो उनकी फैशन समझ को बखूबी दर्शाते हैं-

1. सिज़लिंग हॉट: पश्मीना का बॉडीसूट लुक कॉन्फिडेंस और सैस का एक मास्टरक्लास है।

2. बोहो चिक: पश्मीना की ट्रैवल डायरी में यह खूबसूरत बहुरंगी बोहो ड्रेस शामिल है, जो वंडरलस्ट फैशन के लिए परफेक्ट है।

3. ग्रीन गॉडेस: इस प्रोम आउटफिट में पश्मीना किसी भी माहौल में चमकने की क्षमता दिखाती हैं। उनकी आत्मविश्वास और करिश्मा बेमिसाल हैं।

4. एथेरियल एलिगेंस: पश्मीना का सफेद आउटफिट उनके चार्म और पॉज़िटिविटी को दर्शाता है, जिससे वह एक सच्ची स्टाइल आइकन बन जाती हैं।

5. देसी दीवा: पश्मीना इस खूबसूरत पीले फूलों के प्रिंट वाले लहंगे में अपनी भारतीय जड़ों को अपनाते हुए, शालीनता और गरिमा के साथ हमें सम्मोहित कर रही हैं। नाजुक कढ़ाई और जीवंत रंग उन्हें ब्यूटी का एक नज़ारा बनाते हैं, जो उनके क्लासिक देसी स्टाइल के प्रति प्यार को दर्शाते हैं।

एल्विश यादव की टीम को विजेता बनाया

अमेज़ॅन एमएक्स प्लेयर, अमेज़ॅन की फ्री वीडियो स्ट्रीमिंग सेवा के लोकप्रिय गेमिंग रियलिटी शो प्लेग्राउंड सीज़न 4 का समापन एक धमाकेदार ग्रैंड फिनाले के साथ हुआ, जिसने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस सीज़न में गेमिंग दिग्गजों और जबरदस्त प्रतिस्पर्धा के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली, जिसमें एल्विश यादव की टीम चह्र क्रैकन्स के गौरव ÷बीटी एंड्रॉइड÷ ने अंतिम विजेता के रूप में बाज़ी मारी। भारत के सबसे रोमांचक रियलिटी गेमिंग शो में से एक, प्लेग्राउंड ने इस सीज़न में दर्शकों की संख्या को चरम पर पहुंचा दिया, जिसने लाखों समर्पित दर्शकों को इस कड़े मुकाबले के अंतिम क्षण तक जोड़े रखा। प्रतिष्ठित मेंटर्स की एक शानदार टीम के साथ, जिसमें एल्विश यादव, उर्फी जावेद, मिथपैट, मुनव्वर फारूकी और मॉर्टल शामिल थे, प्लेग्राउंड सीज़न 4 ने गेमिंग और सोशल मीडिया के कुछ सबसे बड़े नामों को एक साथ लाकर प्रतियोगिता में रोमांच का एक और स्तर जोड़ दिया।

गेम चेंजर का खुमार छाया लखनऊ में

पैन-इंडिया फिल्म गेम चेंजर का बहुप्रतीक्षित टीज़र, जिसका निर्देशन एस. शंकर ने किया है और जिसमें कियारा आडवाणी और राम चरण मुख्य भूमिकाओं में हैं, आखिरकार रिलीज़ हो गया है। निर्माताओं ने लखनऊ में इस टीज़र का भव्य अनावरण किया, जहां दर्शक अपनी पसंदीदा अभिनेत्री कियारा आडवाणी को देखकर उत्साहित हो उठे। लखनऊ में कियारा आडवाणी और राम चरण के साथ हुए इस टीज़र लॉन्च इवेंट में फैन्स का सैलाब उमड़ पड़ा।गॉर्जियस और बहुमुखी कियारा आडवाणी पहली बार राम चरण और प्रशंसित निर्देशक एस. शंकर के साथ टीम बना रही हैं, और टीज़र में उनकी झलक ताजगी और आकर्षण से भरपूर है।

300 रूपये थे मेरी पहली कमाई

शुभांगी अत्रे, जोकि एण्डटीवी के लोकप्रिय शो 'भाबीजी घर पर हैं' में अंगूरी भाबी के किरदार से सभी का दिल जीत चुकी हैं, अपनी प्यारी मासूमियत, कॉमिक टाइमिंग और प्रसिद्ध कैचफ्रेज़ 'सही पकड़े हैं' के लिए जानी जाती हैं। हाल ही में हुई एक बातचीत में, उन्होंने कहा कि मेरे लिए, अभिनय एक मौका है कई अलग-अलग ज़िंदगियों को जीने का! यह मुझे नए नजरिये, भावनाओं और किरदारों को एक्सप्लोर करने का अवसर देता है। मैं बहुत छोटी थी, जब मुझे मेरा पहला पेचेक मिला था- जोकि 300 रूपये का था। मुझे अपने कॉलेज में एक स्टूडेंट के लिये एक डांस रूटीन कोरियोग्राफर करने के लिये ये पैसे मिले थे। मैं बहुत खुश हुई थी। हालांकि, वह बहुत बड़ा अमाउंट नहीं था, लेकिन उस समय मुझे बहुत अच्छा लगा। मुझे याद है कि मैंने उन पैसों से अपने परिवार के साथ सेलीब्रेट करने के लिये मिठाईयां खरीदी थीं, मेरे लिये वह बहुत गौरव का पल था।मुझे बचपन से ही परफॉर्म करना अच्छा लगता है और रचनात्मकता से प्यार रहा है। डांस अपनी भावनाओं को व्यक्त करने का एक शानदार तरीका होता है।

कौन बनेगा डांसिंग सुप्रीम? मलाइका या गीता?

मलाइका अरोड़ा और गीता कपूर बहुप्रतीक्षित डांस बैटल शो, इंडियाज़ बेस्ट डांसर वर्सेस सुपर डांसर- चैंपियंस का टशन के जजिंग पैनल में शामिल होने के लिए तैयार हैं, जिसका प्रीमियर 16 नवंबर को शाम 7.30 बजे सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न पर होगा। भले ही वे पहले भी जजों के पैनल में एक-सरे की साथी बन चुकी हैं, लेकिन इस बार - यह जोड़ी विरोधी टीमों का समर्थन करेगी, क्योंकि यह अपनी तरह की पहली प्रतियोगिता डांसिंग सुप्रीम बनने के अल्टीमेट फेस- ऑफ में इंडियाज़ बेस्ट डांसर और सुपर डांसर दोनों की बेहतरीन प्रतिभाओं को प्रदर्शित करेगी। टेलीविज़न पर एक रोमांचक नए डांस फॉर्मेट की शुरुआत करते हुए, इसने बारह बेहतरीन डांसर्स को स्पॉटलाइट दी है - इंडियाज़ बेस्ट डांसर से छह प्रतियोगी और सुपर डांसर से छह प्रतियोगी - जो तीन प्रतिभाशाली कोरियोग्राफ़र्स के नेतृत्व में दो विरोधी टीमों का हिस्सा होंगे।

'बड़े अच्छे लगते हैं' का जादू फिर से बिखरेगा

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न शो 'बड़े अच्छे लगते हैं' की 13 सालों की प्रबल विरासत का जश्न मनाते हुए, 11 नवंबर से प्रत्येक सोमवार से शुक्रवार रात 8.30 बजे, इसके एपिसोड्स को फिर से प्रसारित करेगा। यह प्रसिद्ध ड्रामा, जिसने अपनी यथार्थवादी कहानी और भरोसेमंद किरदारों से भारतीय टेलीविज़न में क्रांति ला दी थी, एक बार फिर दर्शकों का दिल जीतने के लिए तैयार है।'बड़े अच्छे लगते हैं' को पहली बार 2011 में प्रसारित किया गया था, जिसने प्यार, परिवार और रिश्तों के बेहतरीन प्रदर्शन से देश में तहलका मचा दिया था। इसे दोबारा प्रसारित किए जाने के बारे में बात करते हुए, प्रिया की भूमिका निभाने वाली प्रशंसित अभिनेत्री साक्षी तंवर ने कहा, 'बड़े अच्छे लगते हैं' एक खास अनुभव था, जो आज भी मन में बसा हुआ है और मैं रोमांचित हूं कि शो के दोबारा प्रसारित होने से नए दर्शक भी इस सफर का अनुभव कर सकते हैं।

शर्वरी ने डाली मंडे मोटिवेशन पोस्ट

दिवाली का जश्न पीछे छोड़ते हुए शर्वरी अब एक बार फिर काम में जुट चुकी हैं और अपने आगामी वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स फिल्म अल्फा की शूटिंग में व्यस्त हो गई हैं। शर्वरी ने सोशल मीडिया पर अपनी फिटनेस का जलवा दिखाते हुए मंडे मोटिवेशन पोस्ट शेयर की, जिसमें उन्होंने जिम में बारबेल रो वर्कआउट करते हुए अपनी टोंड बॉडी को फ्लॉन्ट किया। शर्वरी ने अपनी फिटनेस तस्वीरों के कैप्शन में लिखा, दिवाली खत्म, अल्फा शुरू वर्तमान में फिटनेस के पीक पर चल रही शर्वरी अल्फा के शूट के कारण अपने फिटनेस गेम को बढ़ा रही हैं।

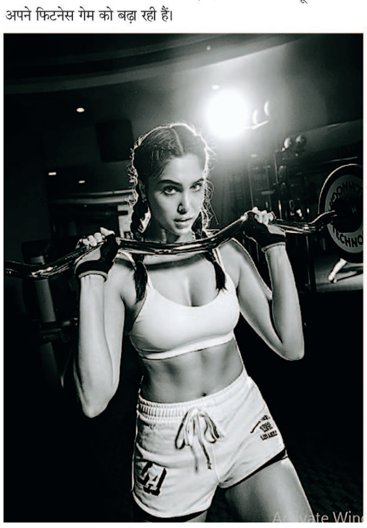

शो 'काबली पुलाव' में है रोमांस, थ्रिलर और ड्रामा का तड़का!

जब सभी को लगा कि त्यौरहारों का सीजन खत्मम हो चुका है, तब ज़िन्दचगी ने अपने यूट्यूब चैनल पर बहु-प्रतीक्षित और समीक्षकों द्वार प्रशंसित पाकिस्तालनी रोमांस ड्रामा में से एक काबली पुलाव की स्ट्रीममिंग शूरू कर दी है। यह सीरीज बड़ी खूबसूरती से प्या र, सांस्कृतिक धरोहर और भावनात्मकक गहराई के विषयों का ताना-बाना बुनती है। इसकी बेहतरीन कहानी दर्शकों को आखिरी मिनट तक रोमांचित करती है। पाकिस्ताभनी समाज के जीवंत परिदृश्य में 'काबली पुलाव' में दो लोगों का सफर दिखाया गया है- हाजी मुश्तातक और बरबीना, जिनकी भूमिकाएं क्रमश- मोहम्माद एहतेशामुद्दीन और सबीना फारूक ने निभाई हैं। दोनों किरदारों की पृष्ठाभूमि काफी अलग है। उनकी ज़िन्दमगियों का आमना-सामना एक पेचीदा प्रेम कहानी में होता है, जो जुनून, बलिदान और मार्मिक क्षणों से भरी है।

हनी सिंह के एल्बम में दिखाई देगी नोरा फतेही

यो यो हनी सिंह के बहुप्रतीक्षित एल्बम ग्लोरी के ट्रैक पायल के संगीत वीडियो में नोरा फतेही दिखाई देंगी। हाल में हनी सिंह ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लाइव होकर नोरा फतेही को उनके समर्पण और कड़ी मेहनत के लिए बधाई दी। नोरा की प्रतिबद्धता की प्रशंसा करते हुए हनी ने कहा, जॉर्जिया में अपने संगीत वीडियो को फिल्माते समय, जहां तापमान -3 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया था, नोरा अभी भी उत्साहित हैं शूट करने के लिए जबकि अन्य डांसर, यहां तक कि यूरोप के लोगों ने भी इस ठंड में प्रदर्शन करने से इनकार कर चुके थे। मेरे मन में उनके लिए बहुत सम्मान है।÷ उन्होंने आगे कहा, पायल के लिए संगीत वीडियो बनाने में बहुत हार्ड वर्क किया जा रहा है, जिसमें एकमात्र, सुपर मेहनती और महान नोरा फतेही शामिल हैं। सहयोग की खबर नोरा फतेही के एक समर्पित प्रशंसक पृष्ठ द्वारा साझा की गई थी, जबकि यो यो हनी सिंह ने खुद अपने सोशल मीडिया पर एक मिरर सेल्फी पोस्ट की थी, जिसमें नोरा को स्टोरी में टैग करते हुए कैप्शन दिया था, शूटिंग टाइम।

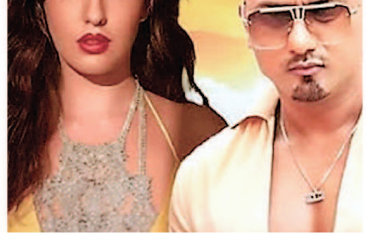

दीपावली पर निया शर्मा को मिला तोहफे में सोने के ब्रेसलेट

दीपावली पर छोटे परदे की एक्ट्रेस निया शर्मा ने एक शानदार तोहफा दिखाया। यह तोहफा उन्हे उनकी मां ने उन्हें दिया था। इंस्टाग्राम पर निया ने एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह एक सोने के ब्रेसलेट को दिखा रही थीं, जो इनफिनिटी डिजाइन में था। निया अपनी कलाई पर यह ब्रेसलेट पहने हुए आराम से लेटी हुई दिखाई दीं। इस वीडियो के साथ उन्होंने कैप्शन लिखा, मेरी मां ने मुझे दिवाली का तोहफा दिया। निया का यह वीडियो उनके फैंस के बीच काफी पसंद किया गया। अभिनेत्री ने यह पोस्ट अपनी मां के प्रति प्यार और कृतज्ञता को व्यक्त करते हुए किया था। उनके फैंस ने भी इस खूबसूरत तोहफे पर अपनी प्रतिक्रिया दी और निया के खूबसूरत ब्रेसलेट को सराहा। 5 नवंबर को निया शर्मा ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक सवाल-जवाब सेशन आयोजित किया, जिसमें उन्होंने अपनी शादी और रिलेशनशिप के बारे में भी खुलकर बात की। एक फॉलोअर ने उनसे पूछा कि क्या उनका कोई बॉयफ्रेंड है, तो निया ने इस सवाल का जवाब देते हुए कहा, नहीं, मेरा कोई बॉयफ्रेंड नहीं है, तो क्या सिंगल ही मर जाएंगे? मुझसे कोई प्यार नहीं करता।

दलबदल की राजनीति के मारे राजनेता

हमारी राजनीतिक व्यवस्था में, ज्यादातर दलबदल उस समय परिणाम पाते हैं, जबकि किसी भी प्रकार की सत्ता प्राप्ति के लिए राजनीतिक चुनाव सिर पर खड़े होते हैं। तब आयाराम और गयाराम की राजनीति अधिक विस्तार पाती है। इसमें अधिकांश स्थिति में, अपना दल त्यागकर, दूसरे दल में जाने वाले को यह बड़ा मुगालता रहता है कि, यदि मैं अपना यह दल छोड़कर, उस दल में चला जाऊंगा, तो मेरे बिना , मेरा यह दल निर्जीव हो जाएगा। इसे तो राजनीतिक प्राणवायु , अब तक मेरे रहते ही मिल रही थी। और दूसरी ओर , वह राजनीतिक दल, मुझे इतनी मान, मनुहार, सम्मान के साथ , अपने में ग्रहण करने को तैयार है। निश्चित रूप से, वहां मेरी जबरदस्त राजनीतिक पूछ परख होगी।

जबकि ज्यादातर मामलों का कड़ुआ सच यह रहता है कि, जिस भी दल में, दलबदलकर आए राजनेता को जमा किया जाना है, वह दल सबसे पहले इसी बात को विचारता है कि, फिलहाल तो चुनाव सिर पर है, जो भी आगे चलकर आ रहा है, उसे अपने दल में मिला लो। चुनाव के परिणाम आने के बाद तय करेंगे कि, आए हुए में से कितनों का क्या, कब और कैसे करना है। अभी तो हमारा एकमात्र और अंतिम उद्धेश्य यही होना चाहिए कि, अन्य दलों का जो भी राजनेता हमारी पार्टी में आ रहा है, उसे एकदम भरपूर सब्जबाग दिखाते हुए जमा कर लो। आमतौर पर इस प्रमुख उपयोग में लाए जाने वाले राजनीतिक मार्ग से भी, भारतीय राजनीति में आए दिन दलबदल संपन्न होते रहता है।

इसी दलबदल की राजनीति को खेलते हुए, एक समय प्रदेश की भाजपा सरकार में मंत्री रहे और इससे भी बढ़कर, तत्कालीन जनसंघ से लेकर, वर्तमान भाजपा तक को संपूर्ण रूप से समर्पित रहे, मध्यप्रदेश के भूतपूर्व मुख्यमंत्री कैलाश जोशी के बेटे, दीपक जोशी का उल्लेख करना बनता है। वे अपना पुराना राजनीतिक दल भाजपा त्यागकर, कांग्रेस की शरण में चले गए थे। वहां लगभग डेढ़ साल का भरपूर राजनीतिक विश्राम करने के बाद, एक बार फिर नए सिरे से, अपने उसी पुराने राजनीतिक दल में जमा हो गए। मंत्री पद मिलने के बावजूद, अपनी और भी राजनीतिक महत्त्वाकांक्षाओं की अपने मनमाफिक पूर्ति न होने पर असंतुष्ट रहते, वे कांग्रेस के टिकट पर, खातेगांव विधानसभा से चुनाव लड़कर, पराजय का स्वाद भी चख चुके हैं।

दलबदल को अमलीजामा पहनाने वाले , लगभग तमाम छोटे या बड़े राजनेताओं के साथ, राजनीतिक मंचों पर, एक बात क़रीब -करीब एक समान रूप से घटती है। होता यह है कि, जब वे अपना पुराना राजनीतिक दल त्यागकर, नए राजनीतिक दल में प्रवेश करते हैं, तो उनके इस नैतिक राजनीतिक साहस का सार्वजनिक अभिनंदन, उस दल विशेष के अनेक राजनेताओं द्वारा किया जाता है, जिसमें कि वे आ रहे हैं। इसी क्रम में वे जब इसी नए प्रवेश प्राप्त दल से भी असंतुष्ट रहते, एक बार फिर, अपने पुराने दल में शामिल होने जाते हैं, तब भी उनके सार्वजनिक सम्मान की उक्त प्रक्रिया को अपनाया जाता है। लेकिन इस बार दल अलग होता है।

इस प्रकार दलबदल करने वाला राजनेता, कम से कम दो बार तो अपने राजनीतिक जीवन में, बिना किसी अतिरिक्त प्रयास के , सार्वजनिक मंचों से, बिन मांगें असीम सत्कार पा जाता है। पहला तब, जबकि वह अपना पुराना राजनीतिक दल छोड़कर, नए में अपनी रवानगी डालता है। और दूसरा तब, जबकि उस नए दल से भी कुछ ही समय में असंतुष्ट रहकर, अपने पुराने दल में ही अपनी वापसी करता है। इन दोनों ही स्थिति में, एक ख़ास बात और समान रूप से घटती है। अपनी पार्टी को छोड़ते, तथा नई पार्टी को पकड़ते और एकबार फिर से, अपनी पुरानी पार्टी में वापसी करने के दौरानी, दलबदल करने वाले सभी राजनेताओं द्वारा, अपने बारे में मंच से बोले गए बोल वचनों तथा स्वागत को संकोच रहित होकर सहर्ष स्वीकार किया जाता है। ऐसा करना उनका बड़प्पन भी बताया जाता है।

अधिकांश मामलों में, अपनी अच्छी भली पार्टी को छोड़कर, अन्य पार्टी में समाहित होने वाले राजनेताओं की, देर सबेर क्या अनदेखी होती है, यह अप्रिय स्थिति भी किसी से भी छिपी नहीं है। कभी -कभी तो ऐसा किया गया दलबदलत, किसी भी एक तत्समय के प्रख्यात तथा सक्रिय रहे राजनेता का राजनीतिक वर्तमान और भविष्य तक चौपट करने के लिए पर्याप्त होता है। वर्तमान में इसी दुर्दशा का शिकार रहे अनेक प्रभावशाली राजनेता , आज के समय में, कांग्रेस और भाजपा के माध्यम से हमारे सामने हैं। जिन्हें एक बड़ी आशा के चलते, दलबदल करने के बाद भी, अब तक न तो कोई ठौर मिली है, और न ही कोई ठिकाना।

वहीं दूसरी ओर, ज्योतिरादित्य सिंधिया जैसे अंगुली पर गिने जाने वाले भाग्यवान राजनेता कम ही होते हैं, जो कि पीढ़ियों से अपना उजला राजनीतिक अस्तित्व बनाए रखते हुए, अब तक इस देश की राजनीति में प्रभावशाली बने हुए हैं। इस श्रेणी के राजनेताओं के साथ, एक अच्छी बात यह भी जुड़ी रहती है कि, उन पर कभी भी, किसी भी प्रकार का , कोई भी आर्थिक घोटाले का लांछन नहीं लगता है। अतः वे इस देश के तमाम राजनीतिक दलों में सर्वप्रिय होते हैं। हर राजनीतिक दल, ऐसे राजनेताओं को , हाथोंहाथ अपने साथ करने की इच्छा रखता है। उनकी सभी बातों , मांगों, शर्तों को भी सम्मान के साथ स्वीकारा जाता है। समय आने पर उनको अपने संगठन से लेकर सत्ता तक में , महत्त्वपूर्ण पदों पर विराजित करते, अतिरिक्त राजनीतिक आदर भी भेंट किया जाता है।आमतौर पर कोई भी एक राजनेता, दलबदल इसलिए करता है कि, हमेशा उसका एकपक्षीय मानना रहता है कि, उसने तो समय -समय पर, अपने राजनीतिक दल के लिए जो सेवा, त्याग, समर्पण किया है, उसकी तुलना में उसे, वह नहीं मिल सका वो, जो कि उसे बहुत पहले ही प्राप्त हो जाना चाहिए था। और उसकी यही राजनीतिक चाहत, दूसरे उस राजनीतिक दल से भी बनी रहती है, जिसमें कि वह प्रवेश करता है। जबकि सच्चाई यह रहती है कि, उसे उस दल में, एक बाहरी और दलबदलू की तरह से ही देखा जाता है। और एक बार फिर से यही बड़ा कारण उभरकर, उस राजनेता को, फ़िर से अपने उसी पुराने राजनीतिक दल में, आने के लिए विवश कर देता है। हमारी विगत दशकों की राजनीति बताती है कि, हमारे ही ज्यादातर राजनेताओं में, अपनी राजनीति करते हुए धैर्य धारण करने का अभाव होता है। वे सक्रिय राजनीति का हिस्सा बनते ही, उसमें अपनी प्राथमिक भागीदारी को नहीं निभाते हैं, बल्कि उसके माध्यम से सत्ता में मनचाही हिस्सेदारी चाहते हैं। और हिस्सेदारी मिलने के बाद, और भी प्रमुख भागीदारी मिलने की उम्मीद रखते हैं। बस, इसी एक बड़े कारण से भी, भारतीय राजनीति में, दलबदल निरंतरता पाता रहता है, जिसे हम आए दिन देखते हैं।

ललित भाटी, ए, 505, एलिट अनमोल,
आदर्श शिशु विहार स्कूल के सामने,
बिचौली रोड, इंदौर।
मोबाइल नंबर, 98270,08628.

उपचुनाव में फंसा भाजपा प्रत्याशियों का भविष्य

रावत और भार्गव के सियासी भविष्य पर 13 को लगेगी मुहर

भोपाल । मप्र के बुधनी और विजयपुर विधानसभा सीट पर हो रहे उपचुनाव के लिए सोमवार शाम को प्रचार थम गया। 13 नवंबर को दोनों सीटों पर मतदान होंगे। इन उपचुनावों को जहां पूर्व मुख्यमंत्री एवं कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, नरेंद्र सिंह तोमर की अग्निपरीक्षा माना जा रहा है, वहीं ये चुनाव भाजपा प्रत्याशियों का भविष्य भी तय करेंगे। प्रदेश में दो सीटों पर हो रहे उपचुनाव सत्ता पक्ष और मुख्य विपक्षी दल के लिए प्रतिष्ठा का विषय हैं। सरकार ने दोनों सीटों पर एकतरफा जीत के लिए संगठन के साथ मिलकर पूरी ताकत झोंक दी है। दोनों सीटें जीतकर सरकार पार्टी हाईकमान को संदेश देना चाहती है कि उसकी नीतियों और योजनाओं से जनता सरोकार रखती है, जबकि विपक्ष उपचुनाव जीतकर सरकार की नाकामियों को उजागर करने के साथ ही पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह का संचार करना चाहता है। यही वजह है कि कांग्रेस भी चुनाव में पूरी ताकत से प्रचार में जुटी है। मप्र की राजनीति में वर्तमान समय पार्टियों का पूरा फोकस बुधनी और विजयपुर पर है। खासकर भाजपा और कांग्रेस ने अपना पूरा दमखम इन दोनों विधानसभा क्षेत्रों में लगा रखा है। दोनों पार्टियां इन सीटों को जीतकर अपनी धाक जमाना चाहती हैं। बुधनी सीट पर भाजपा के रमाकांत भार्गव और कांग्रेस के राजकुमार पटेल के बीच और विजयपुर में भाजपा के रामनिवास रावत और कांग्रेस के मुकेश मल्होत्रा के बीच मुख्य मुकाबला होगा। चुनाव परिणाम 23 नवंबर को घोषित होंगे। दोनों सीटों पर उपचुनाव भाजपा प्रत्याशियों के लिए खास मायने रखते हैं। क्योंकि इस चुनाव में अगर ये जीतते हैं, तभी आगे की राजनीति में इनको जगह मिलेगी। इसलिए प्रत्याशियों के साथ ही पूरी भाजपा ने इन्हें जिताने के लिए पूरा दमखम लगा रखा है। विजयपुर सीट पर कुल 2,54,647 मतदाता

हैं। इनमें पुरुष मतदाता 1,33,554 और महिला मतदाता 1,21,091 हैं। यहां कुल 11 प्रत्याशी उपचुनाव के मैदान में हैं। बुधनी सीट पर कुल मतदाता 2,76,591 हैं। इनमें पुरुष मतदाता 1,43,111,महिला मतदाता 1,33,280 हैं। यहां कुल 20 प्रत्याशी हैं।

जीते तो बढ़ेगा कद

विजयपुर में उपचुनाव के नतीजों से वन मंत्री व भाजपा प्रत्याशी रामनिवास रावत का राजनीतिक भविष्य तय होगा। रामनिवास रावत कांग्रेस छोडक़र भाजपा में शामिल हुए हैं। उनके विधायक पद से इस्तीफा देने के कारण इस सीट पर उपचुनाव हो रहा है। अगर वे चुनाव जीत जाते हैं, तो उनका मंत्री पद बरकरार रहेगा और पार्टी में उनका कद बढ़ेगा, लेकिन यदि रावत चुनाव हार जाते हैं, तो उनका राजनीतिक भविष्य खतरे में पड़ सकता है। उनकी स्थिति पूर्व मंत्री इमरती देवी और गिर्राज दंडोतिया जैसी हो सकती है। ये दोनों नेता 2020 में कांग्रेस छोडक़र भाजपा में चले गए थे। उपचुनाव में हार के बाद उन्हें मंत्री पद छोडऩा पड़ा था। यही वजह है कि रावत उपचुनाव में जीत के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। वहीं लोकसभा चुनाव में विदिशा से सांसद रमाकांत भार्गव का टिकट काटकर शिवराज सिंह चौहान को प्रत्याशी बनाया गया था। उपचुनाव में बुधनी से टिकट मिलने से भार्गव के लिए आगे की राजनीति के द्वार खुल गए हैं। यदि भार्गव चुनाव जीतते हैं, अगले चुनाव में सिटिंग एमएलए के नाते पार्टी के लिए उनका टिकट काटना आसान नहीं होगा, लेकिन उपचुनाव में हार उन्हें राजनीतिक हाशिए पर पहुंचा सकती है।

कांग्रेस प्रत्याशियों के पास खोने को कुछ खास नहीं

जहां एक तरफ भाजपा प्रत्याशियों का सियासी भविष्य ये उपचुनाव तय करेंगे, वहीं बुधनी से कांग्रेस प्रत्याशी राजकुमार पटेल और विजयपुर से कांग्रेस उम्मीदवार मुकेश मल्होत्रा के पास खोने को कुछ खास नहीं है।

बुधनी से कांग्रेस प्रत्याशी राजकुमार पटेल छठी बार विधानसभा का चुनाव लड़ रहे हैं। वे 1992 में बुधनी से उपचुनाव, 1993 व 2003 में विधानसभा चुनाव और पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान के सामने 2006 का उपचुनाव लड़ चुके हैं। पटेल ने 2023 में भोजपुर सीट से विधानसभा चुनाव लड़ा था। पांच चुनावों में पटेल ने सिर्फ एक बार 1993 में जीत दर्ज की थी। ऐसे ही विजयपुर से कांग्रेस प्रत्याशी मुकेश मल्होत्रा इसी सीट से पिछला चुनाव निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में हार चुके हैं, हालांकि उन्हें 44 हजार 128 वोट मिले थे और वे तीसरे स्थान पर रहे थे। इनमें से जो भी प्रत्याशी चुनाव जीतेगा, उसका राजनीतिक बद बढ़ जाएगा और उसके लिए भविष्य में सियासत की राह लंबी होगी।

मप्र सरकार की कमेटी बनाएगी 2047

विजन डॉक्यूमेंट का एक्शन प्लान

इन्दौर (नप्र)। पांच साल में एमपी का बजट दोगुना करने का टारगेट लेकर चल रही मोहन सरकार ने 2028 के विधानसभा चुनाव से पहले होने वाले लोक हित के काम तय करने एक कमेटी बना दी है। इस कमेटी को अगले चार साल का एक्शन प्लान तैयार करने के साथ ही इसकी रिपोर्ट भी देना है। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में काम करने वाली इस कमेटी द्वारा विजन डॉक्यूमेंट 2047 को भी फाइनल किया जाएगा। इसके लिए आठ वर्किंग ग्रुप भी बनाए गए हैं। जिसमें अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव और सचिव स्तर के अधिकारी शामिल किए गए हैं। इन ग्रुप्स द्वारा सवा माह तक वर्कशॉप के जरिए अलग-अलग थीम पर रिपोर्ट तैयार कराई जाएगी। बता दें कि राज्य सरकार ने विकसित मध्य प्रदेश 2047 विजन डॉक्यूमेंट तैयार करने और 2028 चुनाव को टारगेट कर मुख्य सचिव अनुराग जैन की अध्यक्षता में एक हाई पावर कमेटी का गठन किया है। इसके लिए बनाए गए 8 कार्य समूहों और उनसे संबंधित विभागों के साथ को-ऑर्डिनेशन का काम भी कमेटी द्वारा किया जाएगा। कमेटी विजन डॉक्यूमेंट के वर्किंग ग्रुप्स से जुड़े कंसल्टेंट के साथ भी चर्चा करेगी और आउट सोर्स एजेंसियों द्वारा किए जाने वाले काम की प्रगति की समीक्षा करेगी। शासन के आदेश में कहा गया है कि 11 नवम्बर से 2 दिसम्बर तक थिमेटिक विजन, थिमेटिक विजन डाइवर्स, थिमेटिक गोल्स के लिए मैट्रिक्स विषयों पर वर्कशॉप होगी। इसके बाद 4 दिसम्बर से 24 दिसंबर तक थिमेटिक टारगेट, विजन हासिल करने के लिए की इंटरवेंशन, हाई इम्पेक्ट क्विक विन्स एक्टिविटी के लिए एक्शन प्लान तैयार किए जाने संबंधी वर्कशॉप होंगी।

कमेटी में ये रहेंगे शामिल

कमेटी में मुख्य सचिव अध्यक्ष होंगे। वहीं सामान्य प्रशासन विभाग-सदस्य, नगरीय विकास और आवास विभाग- सदस्य उच्च शिक्षा विभाग-सदस्य, योजना आर्थिक और सांख्यिकी विभाग-सदस्य, पर्यटन विभाग- सदस्य, वित्त विभाग - सदस्य, औद्योगिक नीति और निवेश प्रोत्साहन विभाग- सदस्य, लोक स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा विभाग-सदस्य, किसान कल्याण और कृषि विभाग-सदस्य, मुख्य कार्यपालन अधिकारी राज्य नीति आयोग-सदस्य सचिव के रूप में शामिल रहेंगे।

इंडस्ट्री ग्रुप में सीएम के दोनों पीएस होंगे शामिल

शासन द्वारा बनाए गए वर्किंग ग्रुप में उद्योग समूह में सीएम मोहन यादव के दोनों ही प्रमुख सचिव शामिल रहेंगे। इस ग्रुप का कोआर्डिनेटर प्रमुख सचिव संजय कुमार शुक्ला और सह समन्वयक प्रमुख सचिव राघवेंद्र कुमार सिंह को बनाया गया है। यह ग्रुप औद्योगिक नीति और निवेश प्रोत्साहन, खनिज संसाधन, एमएसएमई, कुटीर और ग्रामोद्योग, उद्यानिकी और खाद्य प्रसंस्करण, तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार, पर्यावरण, पंचायत और ग्रामीण विकास, सहकारिता तथा ऊर्जा और नवीन व नवकरणीय ऊर्जा विभाग से संबंधित प्लान तैयार करने और रिपोर्ट देने काम किया जाएगा। इस टीम के समन्वयक एसीएस मोहम्मद सुलेमान होंगे। जबकि सह समन्वयक अशोक बर्णवाल बनाए गए हैं। इनके ग्रुप द्वारा किसान कल्याण और कृषि विकास, उद्यानिकी और खाद्य प्रसंस्करण, पशुपालन, मछुआ कल्याण और मत्स्य विकास, वन, सहकारिता, पंचायत और ग्रामीण विकास, जनजातीय कार्य, पर्यावरण, तकनीकी शिक्षा, कौशल और रोजगार, एमएसएमई, जल संसाधन, नर्मदा घाटी विकास विबाग से संबंधित प्लान तैयार किए जाएंगे।

इस ग्रुप में कई काम ग्रुप वन से संबंधित विभागों के भी शामिल रहेंगे और इसमें संबंधित अफसर सहयोगी रहेंगे। चौथा कार्य समूह अधो संरचना विकास और नगरीय विकास के लिए काम करेगा। इस ग्रुप के समन्वयक एसीएस नीरज मंडलोई और सह समन्वयक एसीएस केसी गुप्ता होंगे। ग्रुप ऊर्जा, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा, शहरी विकास और आवास, लोक निर्माण, जल संसाधन, नर्मदा घाटी विकास, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, परिवहन, पर्यटन, पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग के एक्शन प्लान और विजन डॉक्यूमेंट बनाने का काम करेगा।

विजयपुर विधानसभा की चारों सीमा पर मौजूद रहेंगे कांग्रेसी

श्योपुर में 13 नवंबर को डेरा डालेंगे प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी समेत कई दिग्गज

भोपाल। श्योपुर की विजयपुर विधानसभा उप चुनाव में कांग्रेस नेता विजयपुर के निर्वाचन अधिकारी उदय सिंह सिकरवार को शिकायत करके हटवा चुके हैं। उन्होंने कलेक्टर किशोर कन्याल की शिकायत भी चुनाव आयोग से की है। अब आगामी 13 नवंबर को होने वाले उप चुनाव में कांग्रेस ने जिले के 4 अलग अलग बोर्डरों पर तैनात रहने की तैयारी की है। ताकि जहां से भी गड़बड़ी की शिकायत मिलें, कांग्रेसी नेता तत्काल वहां पर एक्शन ले सकें। इसके लिए प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी से लेकर कई पूर्व मंत्री और विधायक विजयपुर विधानसभा के आसपास मौजूद रहेंगे। श्योपुर कांग्रेस जिलाध्यक्ष अतुल चौहान ने जानकारी दी है कि विजयपुर का चुनाव कांग्रेस उम्मीदवार हजारों

वोटों से जीत दर्ज कर रहे हैं। जनता की पूरी विधानसभा में जो गूंज है। उसने यह जता दिया है। चौहान ने कहा कि जनता की आवाज से डरी भाजपा अपनी हार को देख प्रशासनिक मशीनरी का दुरुपयोग कर रही है। मतदान के दिन पुलिस और प्रशासन भाजपा की मदद के लिए जनता ओर कांग्रेस के बूथ कार्यकर्ताओं पर दबाव नहीं बना सके। इसलिए कांग्रेस भी पूरी तरह विधानसभा की चारों सीमाओं पर वरिष्ठ नेताओं और सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ मुस्तैद रहेगी।

ये यहां रहेंगे मौजूद

पीसीसी अध्यक्ष जीतू पटवारी सहित कई विधायक और श्योपुर क्षेत्र के नेता, कार्यकर्ता जिला मुख्यालय पर रहेंगे।पटवारी मतदान के दिन सुबह राजस्थान के रास्ते श्योपुर आकर सीधे कलेक्ट्रेट पहुंचेंगे।पोहरी बॉर्डर पर पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह, विधायक सतीश सिकरवार, कैलाश कुशवाह, ऋषि अग्रवाल, सुनील शर्मा, वीरेंद्र रघुवंशी,सुनील शर्मा रहेंगे।टेंटरा सीमा पर दिनेश गुर्जर, नीटू सिकरवार, पंकज उपाध्याय, बैजनाथ कुशवाह सहित कई लोग मौजूद रहेंगे।गसवानी सीमा पर सांसद अशोक सिंह, लाखन सिंह यादव, हेमंत कटारे, साहब सिंह गुर्जर, प्रवीण पाठक सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे।

महाराष्ट्र सरकार को भायी मप्र की अनुकंपा नियुक्ति

भोपाल। मप्र की कई ऐसी योजनाएं हैं जो आज कई राज्यों ने अपने यहां लागू ही हैं और वे योजनाएं वहां भी लोगों को लाभान्वित कर रही हैं। ऐसी ही एक योजना इनदिनों कई राज्यों को रास आ रही है। यह योजना है विवाहित बेटियों को अनुकंपा नियुक्ति देने की। प्रदेश में जब से यह योजना लागू की गई है कई राज्यों ने इसका अध्ययन करना शुरू कर दिया है। अब महाराष्ट्र सरकार ने मप्र के मुख्य सचिव को पत्र लिखकर सरकार के इस फैसले के बारे में जानकारी मांगी है। गौरतलब है कि विवाहित बेटियों को अनुकंपा देने का प्रावधान करने वाला मप्र देश का पहला राज्य है। इसी महीने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री कार्यालय से मुख्य सचिव मप्र शासन को इस संबंध में पत्र भेजा गया है। महाराष्ट्र सरकार ने पत्र में मप्र में विवाहित बेटियों को अनुकंपा नियुक्ति के फैसले संबंधी प्रस्ताव के संबंध में विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराने को कहा है। मुख्य सचिव कार्यालय ने महाराष्ट्र सरकार द्वारा भेजे गए पत्र को सामान्य प्रशासन विभाग को भेजकर नियमों में बदलाव कर बेटियों को बड़ी सौगात दी थी। तत्कालीन सीएम शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में 7 फरवरी, 2023 को हुई कैबिनेट की बैठक में सरकारी अधिकारी, कर्मचारी की सेवा में रहते हुए मृत्यु होने पर विवाहित बेटी को अनुकंपा दिए जाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई थी। गौरतलब है कि कुछ समय पहले तक मृत सरकारी कर्मचारी के आश्रित पति, पत्नी के पास जरूरी योग्यता न होने पर या आश्रित स्वयं अनुकंपा नियुक्ति लेने से इनकार कर दें, तो उनके द्वारा नामांकित पुत्र या अविवाहित पुत्री को अनुकंपा का प्रावधान था। सरकार ने इस नियम में संशोधन करते हुए विवाहित बेटी को भी अनुकंपा नियुक्ति की पात्रता देने का प्रावधान किया था। इसके अलावा अनुकंपा नियुक्ति के निगमों में संशोधन कर ट्रांसजेंडर को भी अनुकंपा नियुक्ति देने का प्रावधान किया गया है। मप्र के सामान्य प्रशासन विभाग ने नियमों में जो बदलाव किया है, उसके अनुसार ऐसी विधवा, तलाकशुदा बेटी जो कर्मचारी की मौत के वक्त उस पर पूरी तरह आश्रित होकर उसी के साथ रह रही हो। या कर्मचारी की मौत के बाद उसके आश्रित पति या पत्नी के न होने की स्थिति में विधवा पुत्रवधु (जी कर्मचारी की मौत के वक्त उन पर आश्रित थी और उन्हीं के साथ रह रही थी) उसको अनुकंपा का नियम था।

राजकुमार पटेल के खिलाफ पचौरी ने किया था षडयंत्र

इन्दौर। मध्य प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती विभा पटेल ने भाजपा नेता सुरेश पचौरी को मनगढ़ंत, झूठा बताते हुए उन्हें कांग्रेस का गद्दार कहा है। श्रीमती विभा पटेल ने सुरेश पचौरी के आरोप के जवाब में कहा कि 2009 के लोकसभा चुनाव में विदिशा संसदीय क्षेत्र से चुनाव लड़ते समय कुटिल षडयंत्र के तहत कांग्रेस प्रत्याशी राजकुमार पटेल को फर्जी बी फार्म दिया गया था। राजकुमार पटेल की राजनीतिक एवं सामाजिक प्रतिष्ठा से खिलवाड़ करने वाले खलनायक पचौरी है। उनके सांठगांठ की कलई अब खुल गई है। राजकुमार पटेल के साथ षडयंत्र करने वाले वे खुद आज कांग्रेस में नहीं है। श्रीमती विभा पटेल ने कहा कि पचौरी के खिलाफ राजकुमार पटेल की मानहानि करने का मामला दर्ज कराया जाएगा। श्रीमती विभा पटेल ने कहा कि 2009 के लोकसभा चुनाव के समय पचौरी खुद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष थे। वे अपने कृत्य को छिपाने के लिए अब अनर्गल बातें कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बी फार्म देने की जवाबदारी पचौरी की थी। पचौरी ने जानबूझकर फर्जी फार्म दिया। साथ ही अन्य किसी को डमी फार्म भी नहीं भरने दिया। भावनात्मक रूप से उन्होंने उस समय राजकुमार के साथ छल किया। श्रीमती विभा पटेल ने कहा कि पचौरी कांग्रेस के भीतर 14 साल तक चुप क्यों रहे, यानी वे खुद की गलती मानने से बच रहे थे। श्रीमती विभा पटेल ने कहा कि खिसयानी बिल्ली खंभा नोंचे की तर्ज पर अब पचौरी बेबुनियादी बातें कर रहे हैं। वे खुद तो एक बार लोक सभा और दो बार विधानसभा का चुनाव जीत नहीं पाए और जनता का जनादेश उन्हें कभी मिला नहीं। श्रीमती विभा पटेल ने कहा कि पचौरी के भाजपा में शामिल होते समय भाजपा प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा और पूर्व मंत्री नरोत्तम मिश्रा की टिप्पणी भाई (पचौरी) साहब कांग्रेस में रहते हुए भी हमारे थे, हमारे लिए काम करते थे, काफी कुछ कहती और बताती हैं। इसका सीधा अर्थ है कि वे कांग्रेस पार्टी के अंदर भाजपा के एजेंट के तौर पर काम कर रहे थे, इस कारण उन्होंने ही राजकुमार पटेल के साथ छल किया था। वैसे भी पचौरी की छवि एक कपटी नेता के रूप में हैं। उनके बारे में राजनीतिक लोगों की मान्यता है कि वे कभी भी विश्वसनीय नेता नहीं रहे।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वत्वाधारी एवं प्रधान संपादक सुनील वर्मा के लिए डीबी कार्प प्रॉ.लि. प्रेस, 44-46/ए, सेक्टर - एफ , इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड, इन्दौर से मुद्रित तथा 1/4, परदेशीपुरा, इन्दौर (म.प्र.) सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा। * मो.: 9425491979, E-mail: janbhavana.ind@gmail.com